संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 328
पृष्ठ 8
बुधवार
19 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लखनऊ की शान है रूमी गेट..

विचार- जेन-कौड और विरोध प्रदर्शन की...

खेल- पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने सुधार...

योगी का ऐलान-

पीआरडी जवानोंका भत्ता 600 करेंगे, गोरखपुर में कैशलेस योजना शुरू की, 5 लाख तक इलाज फ्री होगा

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों की बड़ी सौगात दी। इन जवानों को सपरिवार प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये मुफ्त इलाज से आच्छादित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके दैनिक ड्यूटी भत्ता में वृद्धि करने की घोषणा की। अपने कार्यकाल में इसके पूर्व तीन बार ड्यूटी भत्ता बढ़ा चुके मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में चौथी बार वृद्धि का ऐलान करते हुए कहा कि अब पीआरडी जवानों को 500 रुपये की जगह प्रतिदिन 600 रुपये ड्यूटी भत्ता दिया जाएगा। मंगलवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में सीएम योगी ने पीआरडी स्वयंसेवकों को कैशलेस

चिकित्सा सुविधा कार्ड का वितरण कर 'मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना' का शुभारंभ करने के साथ ही रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने पीआरडी जवानों के लिए नई घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1948 में गठित पीआरडी के स्वयंसेवकों को 2019 तक 250 रुपये दैनिक ड्यूटी भत्ता मिलता था। 2019 में उन्होंने इसे बढ़ाकर 375 रुपये और 2022 में बढ़ाकर 395 रुपये किया था। 2025 में भत्ता वृद्धि फिर से की और बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'अब पीआरडी स्वयंसेवकों का भत्ता 500 से रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये प्रतिदिन करने जा रहे हैं।' उन्होंने कहा पीआरडी जवानों के लिए 75 वर्ष में भत्ता राशि 250 रुपये तक ही थी जबकि विगत 8 वर्ष में ही यह 250 से बढ़कर 600 रुपये होने जा रहा है। यह वृद्धि सौ प्रतिशत से भी अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित कराने के लिए पुलिस और प्रशासन के सहयोग में पीआरडी के स्वयंसेवक अपनी भूमिका समर्पण भाव से निभाते हैं। पर, इसके बावजूद 2017 के पहले तक उन्हें ड्यूटी नहीं मिलती थी। जबकि आज उनके महत्व को समझा गया तो ड्यूटी के लिए जवान कम पड़ जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदा हो, महाकुंभ, दीपोत्सव, रंगोत्सव, ट्रैफिक संचालन में सहयोग, चुनाव ड्यूटी हो या अन्य किसी भी कार्य में प्रशासन–पुलिस का सहयोग, पीआरडी जवानों ने अनुशासन, समर्पण और सेवाभाव से कार्य किया। सीएम योगी ने कहा कि पीआरडी स्वयंसेवकों के प्रदेश को प्रगति में योगदान, समर्पण और सेवाभाव को धन्यवाद देते हुए प्रदेश सरकार उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस इलाज की सुविधा दे रही है।

किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर निशाना, बोले-

प्रधानमंत्री मोदी के दिमागी नक्सल बयान से घबराई पार्टी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कांग्रेस पर माओवादी पार्टी में बदलने का आरोप लगाया। यह आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण में दिमागी नक्सलियों के जिक्र को लेकर मचे राजनीतिक विवाद के बीच लगाया गया। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि हालांकि जंगलों में सक्रिय हथियारबंद नक्सलियों को काफी हद तक खत्म कर दिया गया है, लेकिन देश के अलग–अलग हिस्सों में दिमागी नक्सली अभी भी मौजूद हैं और उन्हें पहचानकर अलग–थलग करने की जरूरत है। इन बयानों की विपक्ष के नेताओं ने आलोचना कीय कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है। बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि मोदी की टिप्पणी किसी खास विपक्षी पार्टी के लिए नहीं थी, लेकिन उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेताओं ने मान लिया कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान नेशनल एडवाइजरी काउंसिल पर ऐसी विचारधारा वाले लोगों का कब्जा था और दावा किया कि अब कांग्रेस माओवाद की ओर बढ़ती दिख रही है। उन्होंने वैचारिक नक्सलवाद को अलगाववादी सोच और अनुच्छेद 370 को बहाल करने या पूर्वोत्तर को भारत के बाकी हिस्सों से अलग करने जैसी मांगों का समर्थन करने वाला बताया। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी माओवादी और नक्सलवादी संगठन में बदल गई है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी पहले ही मुस्लिम लीग जैसी हो चुकी है और अब माओवादी पार्टी बनने की दिशा में बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि मोदी की बातें, भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए नक्सलवाद को एक बड़ा खतरा बताने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आकलन जैसी ही थीं। रिजिजू ने सिंह के 2006 के उस बयान का जिक्र किया जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया था। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस को मोदी की बातों की आलोचना करने के लिए सिंह के परिवार से माफी मांगनी चाहिए। रिजिजू ने आगे आरोप लगाया कि जिन्हें उन्होंने दिमागी नक्सली कहा, उन्होंने नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए सुरक्षाकर्मियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखाई, बल्कि उनकी मौत का जश्न मनाया।

जो गांधी–नेहरू ने गाया, वही हमने गाया, केस करना है तो उन पर करो–खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। वंदे मातरम को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को पार्टी का पक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने वही गीत गाया जिसे कभी महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गाया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय श्इंदिरा भवनश में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम गायन में बाधा डाली। खड़गे ने कहा कि जो महात्मा गांधी ने वंदे मातरम गाया था, वही हमने गाया। जो अटल बिहारी बाजपेयी जी ने गाया, वही हमने गाया। उसने पूछा कि यह वंदे मातरम पिछले 18 वर्षों से गाया जा रहा है। क्या यह अपराध है? उन्होंने कहा कि मैंने वही श्वंदे मातरमश गाया जो महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने गाया था। अगर इसे गाना कोई अपराध है, तो वे पिछले 18 सालों से यह अपराध करते आ रहे हैं। अगर यह अपराध है, तो गांधी जी के खिलाफ केस दर्ज करें। अगर यह अपराध है, तो नेहरू जी के खिलाफ केस दर्ज करें। अगर यह अपराध है, तो वल्लभभाई पटेल के खिलाफ भी करें। खड़गे ने कहा कि इस बात की जानकारी नहीं है कि उनके जन्म से पहले ही कांग्रेस ने देश के लिए कौन से राष्ट्रीय गीत अपनाए जाएं, इस पर एक प्रस्ताव पास कर दिया था।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में जल्द हो सकता है फेरबदल

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास आठवले ने सोमवार को दावा किया कि मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में बदलाव बहुत जल्द हो सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि संभावित फेरबदल में भाजपा के साथ–साथ सहयोगी दलों के नए चेहरों को भी जगह मिल सकती है। रामदास आठवले के मुताबिक, भाजपा की नई संगठनात्मक टीम के ऐलान के बाद अब केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में भाजपा और सहयोगी दलों से कुछ नए नेताओं को जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी फेरबदल की कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की गई है। सोमवार को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान किया। इसके बाद से ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि संगठन में हुए बदलाव के बाद सरकार में भी जिम्मेदारियों का पुनर्गठन किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री आठवले ने इसी दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) यानी राकांपा (एसपी) को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (छक।) में शामिल होने का खुला न्योता दिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन देश के विकास के लिए विपक्षी दल को एनडीए का हिस्सा बनने पर विचार करना चाहिए। आठवले ने यहां तक कहा कि यदि शरद पवार एनडीए में शामिल होने से इनकार करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा कदम :

आरोपी की फोटो वायरल करने पर केंद्र, एक्स और मेटा को भेजा कड़ा नोटिस

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और एक्स और मेटा जैसी सोशल मीडिया कंपनियों को नोटिस भेजा है। कोर्ट के सामने एक याचिका आई है जिसमें पुलिस विभागों की उस आदत को चुनौती दी गई है, जिसके तहत वे अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर आरोपियों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं। मामले का मुख्य मुद्दा क्या है? याचिकाकर्ता चाहता है कि ऐसे साफ नियम बनें जो पुलिस को ऐसी कोई भी चीज शेयर करने से रोकें जिससे आरोपियों की पहचान जाहिर हो या ऑनलाइन उनकी बेइज्जती हो। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने याचिकाकर्ता का पक्ष रखा।

यह कोई आम मांग नहीं है। याचिका में तुरंत कार्रवाई की मांग की गई है। राज्यों को पुलिस के ऑफिशियल अकाउंट से ऐसी कोई भी पोस्ट हटानी चाहिए जिनमें आरोपियों के चेहरे या पहचान दिख रही हो, खासकर तब जब वे तस्वीरें अपमानजनक हों। जैसे हथकड़ी लगे संदिग्ध, रस्सियों से बंधे लोग, डंडों से पीटे जा रहे लोग, घुटनों के बल बैठने पर मजबूर किए गए लोग या सीढ़ियों से घसीटे जा रहे लोग। याचिका साफ कहती हैरू पुलिस को अपने ऑफिशियल चौनलों पर ऐसी तस्वीरें या वीडियो नहीं दिखाने चाहिए।

इसके अलावा, याचिका में पुलिस विभागों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर व्यापक गाइडलाइंस की मांग की गई है। इन नियमों से पुलिस को ऐसा कंटेंट अपलोड करने से रोका जाएगा जिससे या तो आरोपी की पहचान उजागर होती हो या उन्हें अपमानजनक या अमानवीय स्थिति में डाला जाता हो चाहे वह अभी हो या भविष्य में।

मेटा के प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और फेसबुक पर भी ध्यान दिया गया है। याचिकाकर्ता चाहता है कि वे आगे आएं और ऐसी ठोस पॉलिसी और यूजर गाइडलाइंस लागू करें जो इस तरह के कंटेंट को फैलने से रोकें। साथ ही, एक सही रिपोर्टिंग सिस्टम की भी मांग की गई है ताकि लोग आपत्तिजनक कंटेंट की रिपोर्ट कर सकें और उसे जल्द से जल्द हटवाया जा सके।यह पूरा मामला नया नहीं है। इसी याचिकाकर्ता ने पहले भी ऐसी ही याचिका दायर की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में ही निपटा दिया था। उस समय कोर्ट ने कहा था कि मीडिया से बातचीत को लेकर पुलिस के लिए जारी उनके पुराने आदेशों में सोशल मीडिया भी शामिल होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली थी।

जाति गणना पर मोदी सरकार ने फिर मारी पलटी : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने जाति आधारित जनगणना को लेकर मोदी सरकार पर फिर यू–टर्न लेने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह जाति आधारित जनगणना को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि 21 सितंबर 2021 को मोदी सरकार ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल हलफनामे में जाति गणना की मांग को स्पष्ट रूप से खारिज किया था। हालांकि, हलफनामे के पैरा 12 (डी) में सरकार ने कहा था कि 2011 की जनगणना से पहले जातियों का कोई रजिस्टर तैयार नहीं किया गया था और बेहतर होता कि जातियों के चयन के लिए श्ड्रॉप डाउन मेन्यूश यानी जातियों की पहले से तैयार सूची होती, जिससे एकरूप और भरोसेमंद आंकड़े जुटाए जा सकते। श्री रमेश ने सवाल किया कि जब सरकार ने खुद ऐसी व्यवस्था को आदर्श बताया था तो जनगणना–2027 में जातियों की ऐसी सूची क्यों नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार और तेलंगाना में जाति सर्वेक्षणों से पहले ऐसी सूची तैयार की गई थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने भी पांच मई 2025 को प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में ऐसी व्यवस्था का सुझाव दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे स्पष्ट हो गया है कि मोदी सरकार जाति गणना की व्यवस्था को विफल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अप्रैल 2025 को जाति गणना कराने की घोषणा कर अपने पुराने रुख से यू–टर्न लिया लेकिन अब वह अपने उसी फैसले से भी पीछे हट रहे हैं। श्री रमेश ने प्रधानमंत्री को यू–टर्न उस्ताद भी करार दिया।

अरविन्द केजरीवाल ने पूछा – यह कैसी गुंडागर्दी है दिल्ली में?

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी में एक सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या किए जाने के बाद हुए बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शनों के मद्देनजर, एनएच–24 पर खिचड़ीपुर बस स्टैंड के पास दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए। इस घटना के बाद स्थानीय सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किए और न्याय, दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग की। मामला तब राजनीतिक टकराव में बदल गया जब आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने आरोप लगाया कि स्थानीय विधायक कुलदीप कुमार को पुलिस ने तब हिरासत में ले लिया, जब वे पीड़ित परिवार का पक्ष रख रहे थे। बात करते हुए, आप विधायक संजीव झा ने राजधानी में कानून–व्यवस्था की स्थिति की आलोचना की और कहा कि खुलेआम हत्याएं हो रही हैं, फिर भी पुलिस कुछ नहीं करती, जबकि जो लोग आवाज उठाते हैं, उन्हें हिरासत में ले लिया जाता है? दिल्ली देश की राजधानी है... जब तक हमें कुलदीप कुमार के बारे में पता नहीं चल जाता, हम यहां से नहीं हटेंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि हिरासत में लिए जाने के बाद अधिकारी विधायक के ठिकाने के बारे में जानकारी क्यों नहीं दे रहे हैं।

पूरे देश में बदलेगा सिस्टम : छात्रों की हड़ताल खत्म होने पर राहुल ने जताई खुशी, कहा- सबने संयम से काम लिया

नई दिल्ली। झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सोमवार रात सहमति बन गई। अब इस मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। यह खबर सुनकर अच्छा लगा। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा,'मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम बरता और अपनी बात रखी। यही सही तरीका है,

जब छात्र सवाल उठाएं, तो उन्हें जवाब मिलना चाहिए। हम देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं। हम इस रिकवरी सिस्टम को पूरी तरह बदल देंगे। ताकि हर छात्र को अपनी मेहनत का पूरा फल मिले और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अधिकार मिले। यह सिस्टम पूरे देश में बदलेगा। अब एक ऐसा ढांचा तैयार किया जाएगा जो छात्रों को आगे बढ़ाए। न कि उन्हें पीछे रोके। इसके साथ ही कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार पर जाति जनगणना को बाधित करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही पूछा कि 2027 की जनगणना में जाति चयन के लिए ड्रॉप–डाउन मेनू क्यों शामिल नहीं किया गया है। वहीं, केंद्र ने सितंबर 2021 में सर्वोच्च न्यायालय में अपने हलफनामे में इसकी सिफारिश की थी। विपक्षी दल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने 30 अप्रैल, 2025 को जाति जनगणना की घोषणा करके पूरी तरह से यू–टर्न लिया था। इसके साथ ही अब वे अपने पहले के यू–टर्न पर भी यू–टर्न ले रहे हैं।

होमगार्ड भर्ती में ऊंचाई विवाद, हाईकोर्ट ने दिए अभ्यर्थियों की मेडिकल बोर्ड की जांच के आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने होमगार्ड भर्ती–2025 में ऊंचाई मापने के विवाद पर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कोर्ट ने दो अभ्यर्थियों की ऊंचाई दोबारा मापने का निर्देश दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने होमगार्ड कैडर भर्ती–2025 में ऊंचाई मापने को लेकर उठे विवाद पर दोनों अभ्यर्थियों की ऊंचाई दोबारा मापने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने संदेश कुमार और एक अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रयागराज को तीन डॉक्टरों का मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया है। याचियों ने होमगार्ड भर्ती–2025 के लिए आवेदन किया था। भर्ती प्रक्रिया के दौरान दोनों की ऊंचाई 167.7 सेंटीमीटर मापी गई, जिसे निर्धारित न्यूनतम मानक से कम माना गया। याची अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि याची इससे पहले प्रवर्तन सिपाही और पुलिस सिपाही पदों की भर्ती परीक्षाओं में शामिल हो चुका है। उन भर्तियों में उसकी ऊंचाई निर्धारित मानक से अधिक पाई गई थी।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता संख्या–एक पहले समान ऊंचाई मानक की कसौटी पर खरा उतर चुका है, इसलिए दोनों की ऊंचाई का पुनर्मापन कराया जाना उचित होगा। कोर्ट के आदेश के अनुसार, तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड 18 अगस्त को दोनों अभ्यर्थियों की ऊंचाई मापेगा। बोर्ड को अगली सुनवाई से पहले रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी।

फिर बही लखनऊ–प्रयागराज नेशनल हाईवे की पटरी

प्रयागराज। लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेरुआ बाजार के पास सोमवार सुबह बारिश से सड़क की पटरी एक बार फिर बह गई। पटरी के कटने से हाईवे के किनारे गहरा गड्ढा बन गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। बीते माह जुलाई में भी बारिश के कारण इसी स्थान पर हाईवे की पटरी बह गई थी। उस समय काफी मशक्कत के बाद इसकी मरम्मत कराई गई थी। हालांकि, सोमवार सुबह हुई तेज बारिश ने सड़क की पटरी की गुणवत्ता और मरम्मत कार्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पटरी दोबारा बहने से हाईवे के किनारे की मिट्टी भी कटने लगी है, जिससे आने वाले दिनों में सड़क के मुख्य हिस्से को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। रेरुआ बाजार के कारोबारी बड़कऊ, दीपू गुप्ता, आफाक हुसैन, विजय मिश्र, गंगू और अकरम मास्टर आदि लोगों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से जल्द मौके का निरीक्षण कर पटरी की स्थायी मरम्मत कराने तथा दुर्घटना से बचाव के लिए चेतावनी संकेत और बैरिकेडिंग कराने की मांग की है।

नदियों ने पसारे पांव, तटवर्ती गांवों में बेचैनी

प्रयागराज। पहाड़ों पर बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी के बाद गंगा–यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार देर रात तक बढ़ते जलस्तर ने गंगातट के किनारे बसे लोगों की बेचैनी बढ़ा दी है। यदि यह क्रम जारी रहा तो दो से तीन दिन में तटवर्ती इलाकों के आश्रमों और मकानों में बाढ़ का पानी दाखिल हो सकता है। मध्य प्रदेश के कई बैराज से पानी छोड़े जाने का असर मैदानी इलाकों में दिख रहा है। नई और पुरानी झूंसी में गंगातट के किनारे रहने वाले लोग सचेत हो गए हैं। बरसात में हर साल झूंसी के तटवर्ती इलाकों और कछार के आधा दर्जन गांव टापू में बदल जाते हैं। इससे किनारे पर बसे लोगों को घर से बेघर होना पड़ता है।

गंगा का जलस्तर बढ़ने पर बदरा–सोनौटी, ढोलबजवा, हेतापट्टी, नीबी–भतकार, ककरा, कोटवां, दुबावल समेत कई गांव बाढ़ की चपेट में आ जाएंगे। बदरा–सोनौटी मार्ग पर आवागमन ठप हो जाता है और ग्रामीण नावों का सहारा लेते हैं।

पिछले साल भी बाढ़ से एक दर्जन कछारी गांवों में पानी घुस गया था। इससे ग्रामीणों के आशियाने ढह गए थे, जिससे वे सुरक्षित ठिकानों पर चले जाते हैं। महाकुंभ में बने करोड़ों रुपये के स्नान घाट बाढ़ में पूरी तरह डूब गए हैं। छतनाग गांव में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार दो पक्के स्नान घाट दो दिन पहले से ही बाढ़ के पानी में हैं। छतनाग श्मशान घाट के डूबने पर शवों का अंतिम संस्कार अब बारादरी में किया जा रहा है।

पहाड़ी महादेव मंदिर में शिवभक्तों ने किए दर्शन

प्रयागराज। मेजा स्थित श्री सिद्धेश्वर नाथ पहाड़ी महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी के संयोग पर श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख–समृद्धि की अर्जी लगाई। दशाश्वमेध घाट से गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों ने भी भोलेनाथ का अभिषेक किया, जिससे पूरा परिसर हर–हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहा। मंदिर सेवा संस्थान की ओर से आयोजित एक माह के मेले और महंत नारायण दास महाराज की शिवपुराण कथा में भक्तों ने खुब आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मेजा थाना प्रभारी नितेन्द्र शुक्ला और पुलिस बल मुस्तैद रहे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से मेले में संदिग्ध व्यक्तियों और अवैध धन उगाही करने वालों से सतर्क रहने की अपील की है।

पांच गोशालाओं में 1195 गोवंश, फिर भी खेतों में फसल चौपट

प्रयागराज। गोवंशों के संरक्षण के लिए सरकारी स्तर पर इंतजाम और खर्च के बावजूद लावारिस गोवंश किसानों और राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं। ब्लॉक क्षेत्र की पांच गोशालाओं में 1195 गोवंश संरक्षित हैं। इनकी देखरेख पर हर माह लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं। इसके अलावा 125 गोवंशों को क्षेत्र के 75–80 किसानों को अनुबंध पर सौंपा गया है।

नाम संशोधन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पंकज कुमार शर्मा है परन्तु मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में पंकज कुमार है जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में पंकज कुमार शर्मा है अतः मुझे अब भविष्य में पंकज कुमार शर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाए।

नाम– पंकज कुमार शर्मा
पुत्र नन्दलाल शर्मा
पता– 180 तालाब नवल राय,
न्यू बैरहना प्रयागराज –211003

बारिश के बाद प्रयागराज में जलभराव, रिहायशी इलाकों में पानी भरा- सड़कें तक डूबीं, लोग परेशान

प्रयागराज। प्रयागराज में भारी बारिश की वजह से आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं। कई इलाकों में सड़कें पानी में डूब गई। जलभराव की वजह से राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

प्रयागराज शहर में भारी बारिश की वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। भारी वर्षा के कारण शहर के कई हिस्सों में गंभीर जलभराव हो गया है। इससे आम जनजीवन और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

सड़कें और अंडरपास तक पानी में डूबे

सड़कों, निचले इलाकों और एक अंडरपास में पानी भर गया है। इससे राहगीरों को आवागमन में काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

प्रयागराज में गंगा–यमुना उफान पर

गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। क्षेत्र में लगातार हो रही भारी वर्षा इसका मुख्य कारण है। शहर के गौस नगर इलाके में भी गंभीर जलभराव की स्थिति है। करेली क्षेत्र के जेके आशियाना में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। भारी मानसूनी वर्षा के कारण यहां पानी घरों में घुस गया है। निचले इलाकों में रहने वाले कई परिवारों को परेशानी हो रही है।

रिहायशी इलाकों तक पहुंचा पानी

शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सड़कों पर पानी भरने से यातायात बाधित हुआ है। कई वाहन फंसे हुए नजर आ रहे हैं। दैनिक कामकाज के लिए निकलने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। निचले इलाकों में पानी जमा होने से लोगों को घरों से निकलने में भी परेशानी हो रही है।

गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यह स्थिति क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण बनी है। करेली इलाके के जेके आशियाना में बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां कई घरों में पानी घुस गया है। निचले इलाकों के निवासियों को विशेष रूप से कठिनाई हो रही है।

अखिलेश ने वीडियो साझा कर भाजपा को घेरा

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि भाजपा वालों, खाना बंद करो, पुलिस स्टेशन बचाओ। भाजपा का सदस्य भ्रष्टाचार की बात कर रहा है। अपनी नाव तैयार करो, सब तैयार।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के हरवारा मुहल्ले में मंगलवार को ट्रांसफार्मर के पास सोमवार से भी अधिक पानी भर गया। इसी दौरान आसपास के लोगों ने पानी में सांप देख लिया है, जिसके बाद लोगों में भय समाया हुआ है। लोगों का कहना है कि पानी में दो सांप दिखे हैं।

ट्रांसफार्मर के पास मंगालवार को भी पानी भर जाने के कारण सुबह लगभग पांच बजे से बिजली कटी हुई है। सोमवार को पानी भर जाने के कारण तड़के लगभग तीन बजे से ही बिजली कट गई थी। दोपहर लगभग 12 बजे नगर निगम की गाड़ी आयी थी, गाड़ी के जरिए पानी निकाला गया, उसके बाद लगभग दो बेज बिजली सप्लाई हो सकी थी।

भेजें तस्वीर

बाढ़ का खतरा बढ़ते ही प्रशासनिक महकमे में सक्रियता बढ़ने लगी है। सोमवार को मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम ने अफसरों को फोन कर बाढ़ के बारे में जानकारी ली। उन्होंने फोन पर कोरांव के एसडीएम से पूछा कि कहां हैं, एसडीएम ने बताया कि वह संपूर्ण समाधान दिवस में हैं। मंडलायुक्त ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस की कार्यवाही शीघ्र पूरी करें और तत्काल मौके पर पहुंचकर वहां की लाइव तस्वीर शेयर करें। उन्होंने डीएम मनीष कुमार वर्मा से सभी अफसरों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने के लिए निर्देशित करने को कहा।

36 घंटे के भीतर हुई इस सीजन की सर्वाधिक बारिश

मौसम विभाग के अनुसार प्रयागराज में 36 घंटे के भीतर 81.2 मिमी बारिश हुई है, जो कि इस वर्ष के मानसून की सर्वाधिक बारिश दर्ज हुई है। इनमें रविवार सुबह 8रू30 से सोमवार सुबह 8रू30 तक 77.8 मिमी और सोमवार सुबह 8रू30 से रात 8रू30 तक 3.4 मिमी बारिश हुई है। वहीं अगले चार दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है।

प्रयागराज में उफान पर गंगा–यमुना, दारागंज घाट डूबा, चार घंटे में 7–8 सेंटीमीटर बढ़ा पानी

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

संगम नगरी में गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने लगा है। सोमवार को शाम चार से रात आठ बजे के बीच दोनों नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई है। पानी की बढ़ती रफ्तार ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

रात आठ बजे यमुना का नैनी में जलस्तर 78.83 मीटर दर्ज किया गया। शाम चार बजे यह 78.76 मीटर था। चार घंटे में सात सेंटीमीटर पानी बढ़ा। फाफामऊ में गंगा 79.65 मीटर पहुंच गई। छतनाग में भी गंगा का जलस्तर 78.39 मीटर दर्ज हुआ, जो शाम चार बजे 78.31 मीटर था। गंगा–यमुना के लिए खतरे का निशान 84.734 मीटर है। इसके बावजूद तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग परेशान हैं। कछार के लोगों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन भी लगातार निगरानी कर रहा है।

आज से चार दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट

प्रयागराज। मौसम विभाग ने मंगलवार से अगले चार दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। ऐसे में 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग की तरफ से प्रयागराज को यलो जोन में रखा गया है। ऐसे में अगले चार दिनों तक भारी बारिश के साथ तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। वहीं भारी बारिश के चलते पिछले 24 घंटे की भीतर तापमान में छह डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

मंडलायुक्त ने कहा, फील्ड पर निकलें अफसर, मौके से

मऊआइमा टोल प्लाजा पर सपा प्रतिनिधिमंडल को रोका

प्रयागराज। प्रतापगढ़ के चर्चित सौरभ विश्वकर्मा हत्याकांड में पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे सपा प्रतिनिधिमंडल को सोमवार को मऊआइमा के रायफल इनारी पुलिस चौकी के पास फोरलेन टोल प्लाजा पर पुलिस ने रोक लिया। करीब तीन घंटे तक पुलिस और सपा नेताओं के बीच बहस के बाद मृतक की मां हीरावती देवी, पिता मोतीलाल समेत परिजनों को टोल प्लाजा पर बुलाकर प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कराई गई।

सपा नेताओं ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हत्यारा आरोपियों की प्रतापगढ़ पुलिस से गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही परिवार को दो लाख पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। पुलिस के अनुसार, हत्याकांड में नामजद छह आरोपियों में से तीन को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, रानीगंज विधायक आरके वर्मा, पट्टी विधायक राम सिंह पटेल, पूर्व विधायक राम कुमार पाल, मुन्ना यादव, पुष्पेन्द्र सरोज, मोहम्मद दानिश, अब्दुल कादिर जिलानी, पवन सरोज, रानीगंज विधानसभा उपाध्यक्ष दिलशाद सिद्दीकी समेत कई नेता शामिल रहे। करीब तीन घंटे बाद मऊआइमा टोल प्लाजा से सपाइयों का काफिला प्रयागराज की ओर रवाना हुआ।

'अनुच्छेद 161 विवेकाधीन लेकिन मनमाना नहीं', समय पूर्व रिहाई पर हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्यपाल की समय से पहले रिहाई की शक्ति पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने सरकार को राम प्रताप सिंह की अर्जी पर एक महीने में नए सिरे से फैसला लेने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत समय से पहले रिहाई देने की शक्ति राज्यपाल की सांविधानिक तौर पर विवेकाधीन शक्ति है, लेकिन इसका इस्तेमाल मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने फतेहपुर जेल में बंद राम प्रताप सिंह की याचिका पर की। याची ने राज्यपाल के पास समय से पहले रिहाई देने की गुहार लगाई थी, जिसे ठुकरा दिया गया। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की सिफारिशें मनमानी राय पर आधारित थी। उनकी रिपोर्ट पर भरोसा कर राज्यपाल की ओर से याची की समय पूर्व रिहाई की मांग खारिज कर दी गई। इसी के साथ हाईकोर्ट ने सरकार को याची की अर्जी पर एक महीने में नए सिरे से फैसला लेने का आदेश दिया है। मामले के मुताबिक, याची को 2002 में फतेहपुर के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने हत्या के प्रयास का दोषी करार देते हुए सात साल की कठोर कारावास और दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। करीब आधी सजा भुगत लेने के बाद याची ने राज्यपाल से समय पूर्व रिहाई की गुहार लगाई। जेल रिपोर्ट के मुताबिक, वह बिना छूट के चार साल, छह माह और छह दिन जेल में रह चुका है। छूट जोड़ने पर यह अवधि पांच वर्ष चार माह थी। जेल में उसका आचरण संतोषजनक दर्ज किया गया। इसके बावजूद उसकी मांग को ठुकरा दिया गया। राज्यपाल की ओर से पारित आदेश में उसकी वास्तविक जेल अवधि महज दो वर्ष छह दिन बताई गई थी। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने राज्यपाल की ओर से जारी आदेश को जेल में बिताई गई वास्तविक अवधि की गलत गणना का परिणाम माना। इस पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने पाया कि डीएम और एसपी की प्रतिकूल सिफारिशों के आधार पर रिहाई से इन्कार किया गया था। जबकि, प्रतिकूल प्रविष्टियां ठोस बुनियाद पर नहीं दिख रही थी। कोर्ट ने कहा कि बिना छूट एक–तिहाई सजा भुगत लेने के बाद कैदी समय पूर्व रिहाई का हकदार हो जाता है। कैदी की समय पूर्व रिहाई के लिए जेल प्रशासन एक प्रस्ताव तैयार करता है। इसमें कैदी का अच्छा आचरण, काटी गई सजा की अवधि और अपराध की प्रकृति का विवरण होता है। यह प्रस्ताव जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पास उनकी सिफारिशों के लिए भेजा जाता है। इसके बाद फाइल राज्य सरकार या संबंधित सक्षम प्राधिकारी के पास जाती है। नियमों के तहत पात्रता पूरी होने पर राज्यपाल की ओर से अंतिम निर्णय लिया जाता है।

विषैले जंतु के डसने से 11वीं की छात्रा की मौत

प्रयागराज। हंडिया के भूई गांव में रविवार की देर रात भोजन करने के बाद बिस्तर पर सो रही छात्रा को किसी विषैले जंतु ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे गोपीगंज स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। भूई गांव निवासी घनश्याम बिंद की 16 वर्षीय पुत्री अंजली रविवार रात अपने बिस्तर पर सो रही थी। देर रात अचानक उसे किसी विषैले जंतु के काटने का एहसास हुआ। अंजली ने इसकी जानकारी तत्काल अपने परिजनों को दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर तत्काल गोपीगंज स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने अंजली को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि अंजली पढ़ाई में मेहनती और स्वभाव से बेहद सरल थी। वह किसान इंटर कॉलेज में कक्षा 11 की छात्रा थी।

बांध का फाटक न खोलने से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न

प्रयागराज। क्षेत्र के घूरी और बेलामुंडी गांव में करीब एक किलोमीटर बांध बनाया गया है। यह बांध दर्जनों गांवों के खेतों की सिंचाई में सहायक है। बरसात में अधिक पानी होने पर इसका फाटक खोला जाता है। रविवार रात से सोमवार सुबह तक लगातार बारिश हुई। इससे लगभग 300 बीघे से अधिक क्षेत्र में पानी भर गया। ग्रामीणों ने बांध का पानी खोलने के लिए कर्मचारियों को सूचित किया। देर रात तक बांध नहीं खोला जा सका। इससे सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न हो गई है। ग्रामीण राधे श्याम मिश्र, प्रशांत सिंह परिहार, राजेंद्र पांडेय, अनूप मिश्र, आलोक पांडेय, मनमोहन पांडेय और लक्ष्मी कांत शुक्ल ने फाटक खोलने की मांग की है।

गृहकर अब ऑनलाइन जमा करने की तैयारी

प्रयागराज। नगर पंचायत सीमा क्षेत्र में गृहकर निर्धारण एवं वसूली व्यवस्था को पारदर्शी और डिजिटल बनाने की तैयारी शुरू

हो गई है। नगर विकास विभाग के निर्देश पर नगर प्रशासन ने मकानों की गणना का कार्य शुरू कर दिया है। आगामी वित्तीय वर्ष से नगर क्षेत्र में स्वकर प्रणाली लागू करने की योजना है, जिसके तहत नागरिक घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से अपना गृहकर जमा कर सकेंगे।

नगर पंचायत कर्मियों की टीमें डोर–टू–डोर जाकर सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। इस दौरान मकानों की लंबाई–चौड़ाई, कमरों की कुल संख्या, निर्माण की श्रेणी तथा भवन के उपयोग की प्रकृति का ब्योरा लिया जा रहा है। सर्वे के आधार पर आवासीय और व्यावसायिक भवनों के लिए अलग–अलग कर दरें निर्धारित की जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार स्वकर प्रणाली लागू होने से कर निर्धारण में मानवीय हस्तक्षेप और मनमाने रवैये पर रोक लगेगी। इस व्यवस्था के अंतर्गत भवन स्वामी अपने मकान अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठान का वार्षिक मूल्यांकन स्वयं कर सकेंगे। निर्धारित नियमों के आधार पर सीधे विभाग के पोर्टल पर टैक्स जमा कर पाएंगे।

नागरिकों को लाभ–

– विभाग या दफ्तरों के चक्कर लगाने व बिचौलियों से मुक्ति।

– ऑनलाइन पोर्टल के जरिए घर बैठे टैक्स गणना एवं भुगतान की सुविधा।

– समय पर टैक्स जमा करने पर नियमानुसार छूट का भी लाभ।

संक्षिप्त

जीआरपी ने लोगों के खोए मोबाइल फोन लौटाए, खिल उठे चेहरे

लखनऊ (संवाददाता)। किसी का मोबाइल रास्ते में गिर गया था तो किसी का कहीं खो गया था। मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद भी कई लोगों ने छोड़ दी थी। ऐसे में रक्षाबंधन से पहले जीआरपी लखनऊ ने 301 लोगों को बड़ी खुशखबरी दी। पुलिस ने अलग–अलग जगहोंध्लोगों से बरामद किए गए 301 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को वापस कर दिए। इन मोबाइलों की कीमत करीब 55 लाख रुपए बताई गई है। मोबाइल खोने के बाद लोगों ने जीआरपी के थानों और जनसुनवाई में शिकायत की थी। पुलिस अधीक्षक जीआरपी लखनऊ रोहित मिश्रा ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सर्विलांस टीम और थानों की टीमों को मोबाइल तलाशने की जिम्मेदारी दी। टीमों ने लगातार काम करते हुए उत्तर प्रदेश के अलग–अलग जिलों के साथ दूसरे राज्यों से भी मोबाइल खोज निकाले। 18 अगस्त को जीआरपी पुलिस लाइन में बरामद मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे गए। जैसे ही लोगों को अपना खोया मोबाइल वापस मिला, उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। कई लोगों ने जीआरपी टीम का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका मोबाइल दोबारा मिल पाएगा। जीआरपी के मुताबिक बरामद किए गए मोबाइल अलग–अलग कंपनियों के मल्टीमीडिया फोन हैं।

शहीद पथ पर डीआईजी की कार में पीछे से टक्कर मारी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के शहीद पथ पर मंगलवार दोपहर डीआईजी हेमराज मीणा की कार हादसे का शिकार हो गई। हुसड़िया चौराहे के पास पीछे से आ रही कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। इसके बाद डीआईजी की कार आगे चल रही गाड़ी से जा भिड़ी। हादसे में हेमराज मीणा पूरी तरह सुरक्षित हैं, जबकि उनकी कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर अफरा–तफरी का माहौल रहा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। हादसा किन वाहनों की टक्कर से हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

महिला अपराध को लेकर एलयू में सपा छात्र सभा का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को विरोध ा प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लेकर छात्र कैंपस के अंदर से गेट नंबर–1 तक पहुंचे और मुख्य द्वार के सामने बैठकर नारेबाजी की। करीब 25 मिनट तक चले प्रदर्शन में छात्रों ने भाजपा सरकार पर पेपर लीक की घटनाओं और अपराध पर नियंत्रण न कर पाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन को देखते हुए विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर बैरिकेडिंग कर भारी पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया गया। छात्रों ने आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का–मुक्की और नोकझोंक हुई। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को टांग–टांगकर गाड़ियों में बैठाया। हिरासत में लेकर उन्हें इको गार्डन भेज दिया। आलोक यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में ब्राह्मण समाज की बहनों के साथ बहुत अपमान हो रहा है। भाजपा सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देती है मगर बेटियां इस प्रदेश में सुरक्षित नहीं हैं। मौजूदा सरकार में बहन बेटियों के साथ रेप, हत्या जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। सीतापुर में हमारी एक बहन को हत्या के 11 दिन के बाद फंदे पर लटका दिया गया, उसको न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आंध ा प्रदेश में बहन बेटियों को इंसाफ नहीं मिलेगा तो हम इस सरकार को जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे। प्रदर्शन में शामिल लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र अरमान ने कहा कि यह सरकार यूजीसी नेट में धांधली रोक नहीं पा रही है। छात्रों के मुद्दे पर पूरी तरह से विफल है। पेपर लीक पर कोई लगाम नहीं है। पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं करवा नहीं पाती है ऐसी सरकार छात्र हितैषी कैसे हो सकती है। रविनंदन यादव ने कहा कि मौजूदा सरकार में बहन, बेटियां बिल्कुल सुरक्षित नहीं है। सीतापुर की घटना इस बात का उदाहरण है कि हमारी महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है। सरकार कहती है कि हम जीरो टॉलरेंस नीति अपना रहे हैं मगर जमीन पर यह बिल्कुल विफल है। जब तक हमारी बहन को न्याय नहीं मिल जाता हम लोग सड़कों पर उतरकर संघर्ष करते रहेंगे।

गोली चलाकर युवक पर जानलेवा हमला किया, फायर मिस होने पर मारी बट

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह युवक पर जानलेवा हमला किया गया। इसके बाद फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि युवक बाल–बाल बच गया। घटना के बाद पीड़ित ने ठाकुरगंज थाने में तहरीर दी है। मंदिर से दर्शन कर लौट रहे युवक की कनपटी पर बदमाश ने असलहा सटा दिया। अहमदगंज गऊघाट निवासी रतनलाल गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8रू30 बजे आन्नदी माता मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहे थे। गउघाट चौकी के पीछे स्थित मंदिर के पास वह कुछ लोगों से बात कर रहे थे। इसी दौरान लालाघाट मंदिर की ओर से आए मुंह पर अगौछा बांधे एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी कनपटी पर असलहा लगा दिया। आरोप है कि हमलावर ने रतनलाल पर फायर किया, लेकिन गोली मिस हो गई। इसके बाद आरोपी ने असलहे की बट से उनके सिर और शरीर पर कई वार किए। हमले में रतनलाल के सिर में गंभीर चोटें आईं। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घटना के बाद रतनलाल गउघाट चौकी पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने टीबी अस्पताल जाकर इलाज कराया। इलाज के बाद उन्होंने पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात हमलावर के खिलाफ शिकायत की है।

26 अगस्त को निकाला जाएगा जुलूस-ए-मोहम्मदी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में मंगलवार को जुलूस–ए–मोहम्मदी की तैयारी को लेकर बैठक हुई। बैठक में आल इंडिया मोहम्मदी मिशन के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। जुलूस में शामिल लेने वाले विभिन्न संगठनों को प्रशिक्षित भी किया गया। साथ ही भाईचारा और शांति का विशेष ध्यान रखने की बात कही गई। ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन (यूथ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष फैजान फरंगी महली ने बताया कि 26 अगस्त को ईद मिलादुन्नबी (पैगम्बर मोहम्मद साहब की पैदाइश) का जश्न पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस अवसर पर लखनऊ में जुलूस–ए–मोहम्मदी निकाला जाएगा।शहर के अलग–अलग इलाकों से लोग जुलूस लेकर दरगाह सामने शाह पहुंचेंगे।

भयहरणनाथ धाम में नागपंचमी पर हुआ घुघुरी लोक उत्सव का भव्य आयोजन

प्रतापगढ़ गौरव सम्मान, बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न और गुड़िया सम्मान से विशिष्ट व्यक्तित्वों को किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन धार्मिक एवं पर्यटन स्थल भयहरणनाथ धाम में सावन मेला के अंतर्गत रविवार को नागपंचमी के अवसर पर भव्य ष्घुघुरी लोक उत्सवष् का

आयोजन किया गया। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान, बकुलाही पुनरोद्धार अभियान एवं कटरा गुलाब सिंह नागरिक विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में जनपद, क्षेत्र व समाज की सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित को प्रतापगढ़ गौरव सम्मान, बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न और गुड़िया सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वनाथगंज के विधायक जीत लाल पटेल ने परम्परा गत कजरी का गायन करके सभी का उत्साह बढ़ाया और कहा कि जो समाज अपनी परम्परा व संस्कृति को जीवंत करता है वह सदैव सभी के लिए कल्याण कारी होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़ व पूर्व आयुक्त आर एस वर्मा की।

प्रारंभ में ही सभी का स्वागत करते हुए लोक उत्सव के संयोजक महासचिव समाज शेखर ने धाम की रूप रेखा प्रस्तुत की। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष कटरा गुलाब सिंह अशोक कुमार मुन्ना यादव ने समारोह में सभी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रतापगढ़ गौरव सम्मान से साहित्यकार सुनील प्रभाकर, पूर्व प्रवक्ता जीजीआईसी श्रीमती जया मोहन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय पार्श्व एवं लोकगायिका श्रीमती प्रतिमा मिश्रा तथा राष्ट्रीय गीतों के रचनाओं हेतु ओम प्रकाश गुप्त को सम्मानित किया गया। वहीं अमर क्रांतिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान से आलोक आजाद, अध्यक्ष, जांबाज हिन्दुस्तानी सेवा समिति, डी के शर्मा, संयोजक, लोक भारती प्रतापगढ़, दिनेश अग्रहरि, सुप्रसिद्ध व्यवसायी, कटरा गुलाब सिंह, राजेन्द्र प्रसाद पटेल, अग्रणी किसान, होलागढ़ प्रयागराज तथा मो. जलालउद्दीन, किसान नेता को सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट योगदान हेतु विशिष्ट महिलाओ को गुड़िया सम्मान दिया गया जिसमे डॉ. उषा मिश्रा, पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी, प्रयाग महिला विद्यापीठ प्रयागराज, आकांक्षा सिंह, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय इलाहाबाद, सुश्री अंजलि वैश्य, नीट परीक्षा उत्तीर्ण, श्रीमती नीतू गौतम, किसान नेता, डॉ. रीता सिंह, शिक्षाविद् सुश्री अंशू सिंह, संचालिका, ब्यूटी पार्लर व सिलाई केंद्र उल्लेखनीय है। वहीं तय हुआ कि घोषित सम्मान के चयनित विशिष्ट जन जो कार्यक्रम में किसी वजह से प्रतिभाग नही कर सके उन्हे यह सम्मान शीघ् प्रतिनिधि मंडल उनसे संपर्क कर सौपेने का सार्वजनिक निर्णय हुआ।

उत्सव में लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम, व सावनी गीतों की विभिन्न प्रस्तुतियां हुई लोक गायक अजब नारायण पांडेय व साथियों की प्रस्तुतियां सराही गई, 2 किमी दौड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में साहित्य भूषण सम्मान से विभूषित जन कवि प्रकाश जी की 56 वीं कृति ष्वो पथिक प्रियष का लोकार्पण भी किया गया। साथ ही विराट कवि सम्मेलन भी हुआ जिसमें जन कवि जय प्रकाश शर्मा, नजर इलाहाबादी, डॉ. उषा मिश्रा, डॉ. अशोक अग्रहरि, सुनील प्रभाकर व विवेक सुमन आदि नामचीन कवि ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर सभी को आनंदित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से महंत महेशाश्रम जी महाराज, धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, पतंजलि योग पीठ के मार्गदर्शक गुरु राजेंद्र अग्रहरि मुन्ना जी, मन्दिर व्यवस्था समिति के सचिव मुरली पांडेय, मेला समिति से शत्रुघ्न सिंह, मनीराम पटेल व आदर्श पांडेय व हेमराज अग्रहरि तथा कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र ने विशेष योगदान दिया।

खानम आर्ट गैलरी कलेक्शन कृतियों की प्रदर्शनी का न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने किया भव्य उद्घाटन

खानम आर्ट गैलरी में आठवें बहारे हुनर 2026 का भव्य आगाज आज

प्रयागराज। करेली स्थित खानम आर्ट गैलरी में गैलरी कलेक्शन कला प्रदर्शनी 2026 का भव्य उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने फीता काटकर किया। विशिष्ट अतिथियो में रोटरी क्लब के वकार उस्मानी, डॉ. सुबिया करीम अंसारी, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज की पूर्व प्राचार्या युसुफा नफीस, प्राचार्या नसीहा उस्मानी ,राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, एमिनेंट आर्टिस्ट तलत महमूद, मशहूर गैलरी निदेशक डॉ. ज़ाहेदा खानम ,डॉ.सारा मुख्तार व सैयद मुशर्रफ की गरिमामयी उपस्थित रहीं।

इस प्रदर्शनी में भारत के कलाकारों की पेंटिंग एक साथ प्रदर्शित हैं। ये पेंटिंग्स बिक्री के लिए भी उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी

के साथ चौरिटी प्रोग्राम भी रखा गया है। बिक्री होने वाली प्रत्येक पेंटिंग की 40: आय शिक्षा और कला से जुड़े चौरिटी कार्यक्रमों में दी जाएगी।

बच्चों की विभिन्न कला प्रतियोगिताएं भी हुईं – पर्यावरण, लोक कला और गैलरी का प्रसिद्ध आज़ादी आर्ट कॉम्पिटिशन। विजेताओं को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और मेडल दिए गए। निर्णायक मंडल में रवीन्द्र कुशवाहा, तलत महमूद और डॉ.ज़ाहेदा ख़ानम रहीं। कार्यक्रम का संचालन तलत महमूद ने किया। अतिथियों का सम्मान बैच, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। गैलरी का सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रम बहारे हुनर विद संगम वूमेन आज शुरू होगा। शहर भर की महिलाएं अपने कला, क्राफ्ट और हैंडमेड कलात्मक मनमोहक उत्पाद प्रदर्शनी में लगाया हैं।

राष्ट्रीय कवि संगम की काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रयागराज। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत प्रयागराज के चंद्रशेखर आजाद पार्क "कंपनी बाग" में राष्ट्रीय कवि संगम की काव्य गोष्ठी संपन्न हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता श्री मुकुल मतवाला जी ने की और उपाध्यक्ष कमल नारायण शुक्ल जी रहे एवं मुख्य अतिथि के तौर पे काशी प्रांत के अध्यक्ष श्री अटल नारायण जी मौजूद थे। मंच का संचालन श्री पुष्कर प्रधान और श्री संतोष शुक्ल समर्थ जी ने किया। सर्वप्रथम सरस्वती वंदना का काव्य पाठ नेहा मिश्रा द्वारा किया गया जिसके पाश्चात् अन्य कवियों ने अपना काव्यपाठ किया। काव्य गोष्ठी को श्री हंसराज हंस जी, श्री इन्दु जमदग्नपुरी जी, श्रीमती क्षमा द्विवेदी जी, श्री जय अवस्थी जी, श्री मनीष पांडे जी ने अपनी उपस्थिति से सफ़ल बनाया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय कवि संगम के प्रयागराज यमुनापार अध्यक्ष श्री निखिलेश मालवीय ने एवं सह संयोजन राष्ट्रीय कवि संगम के भदोही जिला अध्यक्ष श्री अमित शर्मा ने किया।

'द एवियान लक्स सेरेनिटी में " धरोहर" का हुआ आगाज, 30 अगस्त तक चलेगा मिलेट्स के स्वाद और सेहत का उत्सव

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ स्थित द एवियान लक्स सेरेनिटी के मिनिस्ट्री ऑफ क्यूजीन में "धरोहर दृ द लॉन्गेविटी एंड मिलेट्स फेस्ट"' का आयोजन '18 अगस्त 2026 से शुरू हो गया है। 30 अगस्त 2026' तक चलने वाले इस विशेष फूड फेस्टिवल में मेहमानों को मिलेट्स एवं पारंपरिक अनाजों से तैयार स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजनों का विशेष अनुभव प्रदान किया जा रहा है। फेस्टिवल का आयोजन प्रतिदिन शाम 7 बजे से किया जा रहा है।आज के दौर में हेल्थ–कॉन्शियस डाइनिंग तेजी से उपभोक्ताओं की पसंद को प्रभावित कर रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए "धरोहर" फेस्टिवल में मिलेट–बेस्ड कुलिनरी क्रिएशंस को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत किया जा रहा है।

घटा बन नभ में आये

(छप्पय)

मेघश्याम–सा मेघ घटा बन नभ में आये।
हुई सुहानी वृष्टि पयोधर जब हरषाये।
धूमिल पड़ते सूर्य मगर धरती हरषायी।
बूँदों का संगीत पुनः कलरव ले लायी।
खनखन करती चूड़िया नूतनता के संग में।
रोप रही हैं धान को हरियाली के रंग में।।

जलधर जलज पयोद नीरधर अम्बुद वारिद।
बादल घन पर्जन्य सभी खुद में हैं वाहिद।
दरिया जंगल गाँव देख इनको खुश होते।
तीज और त्योहार धरा पर जब ये लाते।
बादल के पर्याय हैं रखते अर्थ अनेक पर।
दूजों के सुख के लिए आते हैं घर छोड़ कर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पारा में अवैध डेयरियों पर सख्ती, महापौर ने मौके पर पहुंचकर संभाली कमान

लखनऊ (संवाददाता)। पारा क्षेत्र में अवैध डेयरियों के खिलाफ नगर निगम ने मंगलवार को सख्त कार्रवाई की। कुछ दिन पहले अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान चलाने पहुंची नगर निगम और पुलिस की टीम पर स्थानीय अराजक तत्वों ने हमला कर दिया था। घटना में नगर निगम और पुलिस के अधिकारी–कर्मचारी घायल हुए थे। इसके बाद मंगलवार को नगर निगम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में दोबारा अभियान चलाकर अवैध डेयरी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की। घटना को गंभीरता से लेते हुए महापौर सुषमा खर्कवाल मंगलवार को पारा पहुंचीं। उन्होंने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ क्षेत्र का निरीक्षण किया और मौके पर स्थिति का जायजा लिया। महापौर ने अधिकारियों को अवैध डेयरियों के खिलाफ नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर निगम की कार्रवाई के दौरान पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा, जोन–6 के जोनल अधिकारी अमरजीत यादव, प्रवर्तन टास्क फोर्स के साथ भारी पुलिस बल मौजूद रहा। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच टीम ने क्षेत्र में अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाया। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, शहर में नियमों का उल्लंघन कर संचालित की जा रही डेयरियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। महापौर सुषमा खर्कवाल ने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्य में बाधा डालने, नगर निगम और पुलिस टीम पर हमला करने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर में अवैध डेयरियों के संचालन पर रोक लगाने के साथ ही नागरिकों को बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डेंगू और बुखार ने बढ़ाई चिंता, राजधानी में अस्पतालों में 20 दिन में दोगुने हुए मरीज

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में मौसम बदलने के साथ बुखार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले 20 दिनों में प्रमुख अस्पतालों की ओपीडी में बुखार के मरीजों की संख्या करीब दोगुनी हो गई है। पहले जहां रोजाना 500 से 600 मरीज बुखार की शिकायत लेकर पहुंच रहे थे, वहीं अब यह आंकड़ा 1200 से अधिक हो गया है। बलरामपुर, सिविल, लोहिया संस्थान, केजीएमयू और लोकबंधु समेत प्रमुख सरकारी अस्पतालों में 200 से ज्यादा बुखार पीड़ित मरीज भर्ती हैं। मरीजों में तेज बुखार के साथ गले में दर्द, बदन दर्द और कमजोरी की शिकायत सामने आ रही है। कई मरीजों में सात–आठ दिन बाद भी बुखार बना हुआ है। चिकित्सकों के मुताबिक करीब 90 फीसदी मरीजों को पूरी तरह स्वस्थ होने में 13 से 15 दिन तक का समय लग रहा है। केजीएमयू के मेडिसिन विभाग के डॉ. केके सावलानी के अनुसार, बुखार के मरीजों में डेंगू, मलेरिया और टायफाइड की जांच कराई जा रही है। हालांकि जांच कराने वाले कई मरीजों में इन बीमारियों की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे मामलों में वायरल संक्रमण की आशंका मानकर उपचार किया जा रहा है। लंबे समय तक बुखार बने रहने से मरीजों के साथ उनके परिजनों की चिंता भी बढ़ रही है। सिविल अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने बताया कि मौसम में बदलाव के दौरान वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

उत्तर मध्य रेलवे

No: 230-Elect/TRD/PRYJ/EIG/2026 Dated: 17.08.2026

भारतीय रेलवे

"सार्वजनिक अधिसूचना"

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25 के.वी., 50 हर्ट्ज ए.सी. सिरोपरि कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में ऊर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से सिरोपरि कर्षण लाईन को सब समय विद्युन्मय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस सिरोपरि कर्षण लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं दिया जायेगा।

खण्डः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के छिवकी मानिकपुर रेल खंड में शंकरगढ़ स्टेशन पर स्थित कबेरी साइडिंग।

दिनांक : 20.08.2026 को अथवा उसके पश्चात ।

द्वारा निर्गत।
वरि. मण्डल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण)
प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे 1887/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे
नवाब यूसुफ रोड, बाल्मीकी चौराहा, प्रयागराज - 211001

वर्ष 2026-27 में सांस्कृतिक कोटा के अंतर्गत (खुली भर्ती)

नोटिफिकेशन (रो.सू. CQ - 02/2026)

नोटिफिकेशन जारी करने की तिथि : 18.08.2026

ऑनलाईन आवेदन की प्रारंभिक तिथि : 20.08.2026

ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि व समय : 19.09.2026, 23:59 बजे तक

उत्तर मध्य रेलवे में सांस्कृतिक कोटा वर्ष 2026-27 में खुली भर्ती के तहत ग्रेड पे रू. 1900/- (7वें सीपीसी के बाद संशोधित वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-02) में भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से नीचे दर्शाये गये कोटे के विरुद्ध ऑनलाईन आवेदन अंतिम तिथि 19.09.2026 रात्रि 23:59 बजे तक आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र. स.	पद	मैट्रिक्स लेवल (7वें सीपीसी)	पदों की संख्या	पदों का आवंटन
1.	सितार	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रू. 1900/-)	01 (एक)	उत्तर मध्य रेलवे पर
2.	तबला	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रू. 1900/-)	01 (एक)	उत्तर मध्य रेलवे पर

• उपरोक्त कोटा सभी श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु हैं बशर्ते वे न्यूनतम योग्यता/अर्हता रखते हों।
• रोजगार सूचना, आवेदन पत्रों का प्रारूप एवं अन्य सभी विवरण, यथा शैक्षणिक योग्यता, आयु, भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा शुल्क, आवेदन कैसे करें तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के वेबसाइट www.rrcpryj.org पर दिनांक 18.08.2026 से उपलब्ध हैं।

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1893/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

दिमागी नक्सलियों से डरी सरकार

नरेन्द्र मोदी कितने अलोकतांत्रिक किस्म के नेता हैं, इसका एक और उदाहरण 15 अगस्त को 80वें स्वतंत्रता दिवस पर्व पर लालकिले से दिए उनके भाषण में नजर आया। नरेन्द्र मोदी ने अपने राजनैतिक और वैचारिक विरोधियों के लिए दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल किया। खुद को दुनिया के शक्तिशाली नेताओं में से एक मानने वाले नरेन्द्र मोदी संसद में विपक्ष का सामना करने तो आ नहीं सकते, न ही जंतर–मंतर तक विरोधियों की बात सुनने जा सकते हैं। मगर जो युवा अपना सब कुछ दांव पर लगाकर हक की मांग करे तो उसे दिमागी नक्सल बता दो, यही काम मोदी ने किया है। नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि सिविल डिफेंस में वॉलियेंटरी फोर्स बनानी होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो मोदी समाज में युवाओं के एक तबके को दूसरे तबके से भिड़ाने की बात कह रहे हैं, क्योंकि ये वॉलेंटियर यानी स्वयंसेवी लोग संघ से ही आएंगे, ये तय है। जंतर–मंतर पर पैलेट गन और कील लगी लाठी चलाना कम नहीं था, जो अब विरोधियों को नए तरीके से कुचलने का उपाय मोदी ने सुझाया है। मोदी सरकार ने देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की आधिकारिक थीम श्युवा शक्ति फॉर विकसित भारत ञ्च –2047श रखी थी। पिछले कुछ महीनों में युवाओं की नाराजगी मोदी सरकार के लिए जितनी बढ़ चुकी है, उसे देखते हुए यह स्वाभाविक था कि सरकार युवाओं को मनाने के लिए कुछ खास पहल करती। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल करके सारा गुड़गोबर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से दिए अपने भाषण में कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों से निपट लिया गया है, लेकिन अब देश को श्दिमागी नक्सलियोंश से सतर्क रहने और उन्हें अलग–थलग करने की जरूरत है। आपको बता दूं कि श्दिमागी नक्सलश भारत के कानून में परिभाषित कोई आधिाकारिक श्रेणी नहीं है। किसी व्यक्ति को केवल इस राजनीतिक लेबल के आधार पर अपराधी नहीं माना जा सकता। किसी भी आपराधिक आरोप के लिए कानून और सबूत की प्रक्रिया लागू होती है। मगर मोदी ने जिस तरह यह कहा कि अब देश को श्दिमागी नक्सलियोंश से सतर्क रहने और उन्हें अलग–थलग करने की जरूरत है। अब इस चुनौती के एक दूसरे स्वरूप से निपटना जरूरी है, तो यह साफ समझ आता है कि वो अपने विरोधियों को कुचलने का आह्वान कर रहे हैं और समाज के एक तबके को उकसा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में किसी व्यक्ति, संगठन, पत्रकार, अकादमिक, राजनीतिक दल या सामाजिक समूह का नाम लेकर यह नहीं बताया कि श्दिमागी नक्सलीश कौन हैं। लेकिन इससे पहले मोदी सरकार और भाजपा विपक्षी नेताओं, सरकार विरोधी पत्रकारों, रंगकर्मियों, लेखकों, कवियों–शायरों, फिल्म निर्माता–निर्देशकों आदि को अर्बन नक्सल कहती आई है। तो समझना कठिन नहीं है कि अर्बन नक्सल से दिमागी नक्सल का यह शिफ्ट जंतर–मंतर के प्रदर्शनकारियों और राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम में आने वाले युवाओं के लिए किया जा रहा है। वैसे अर्बन नक्सल जैसा शब्द भी सरकारी शब्दकोष में नहीं है, खुद मोदी सरकार के नुमांइदे ने संसद में यह बताया है। 11 मार्च 2020 को, राज्यसभा में टीएमसी सांसद शांता छेत्री द्वारा पूछे गए एक प्रश्न (अतारांकित प्रश्न संख्या 1978) का उत्तर देते हुए, गृह राज्य मंत्री जी. किशन रेड्डी ने स्पष्ट बयान दिया था कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा श्शहरी नक्सलश शब्द का प्रयोग नहीं किया जाता है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि यद्यपि सरकार की राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना शहरी गतिविधियों सहित श्अपने सभी रूपोंश में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) को संबोधित करती है, लेकिन भारतीय कानून या नीति के तहत श्शहरी नक्सलियोंश के लिए कोई आधिकारिक वर्गीकरण या परिभाषा नहीं है।सरकार की डिक्शनरी में अर्बन नक्सल शब्द नहीं था फिर भी समाज में मोदी और बीजेपी की नीतियों का विरोध कर रहे बड़े वर्ग को बार–बार अर्बन नक्सल कहकर अपमानित और प्रताड़ित किया गया। अब यही काम युवाओं के लिए करने की साजिश रची गई है, अर्बन नक्सल के बाद दिमागी नक्सल शब्द को लाना असल में लोकतंत्र पर बड़ा प्रहार करने जैसा है। लेकिन मोदी सरकार के पिछले बारह सालों के रवैये को देखते हुए इसके अलावा कोई और उम्मीद उनसे की भी नहीं जा सकती। इससे पहले किसानों को खालिस्तानी और शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों को पाकिस्तानी कहा जा चुका है। अब मोदी युवाओं को कुछ और नहीं कह पाए तो दिमागी नक्सल ही कह दिया। लेकिन मोदी भूल गए कि प्रधान न्यायाधीश ने कॉकरोच शब्द कहा तो कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन खड़ा हो गया।

जेन-कौड और विरोध प्रदर्शन की राजनीतिः विपक्ष कहां पहुंचा?

देवी चेरियन

हजारों युवा भारतीयों को अपने हक के लिए न्याय मांगते हुए सड़कों पर उतरते देखने में एक गहरा भावनात्मक पहलू है।

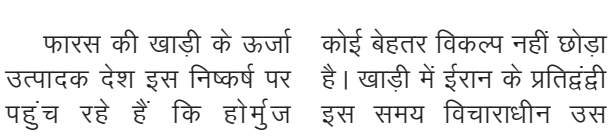

जेन–कौड के लिए कोई परीक्षा केवल एक परीक्षा भर नहीं होती। यह वर्षों की तैयारी, माता–पिता के त्याग, वित्तीय निवेश और एक बेहतर जीवन बनाने के सपने का प्रतीक होती है। यही कारण है कि नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली को लेकर उपजे आक्रोश को केवल राजनीतिक आंदोलन बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। जब वह विश्वास डगमगाता है, तो युवाओं को विरोध ा करने का पूरा अधिकार है। जंतर–मंतर उस आक्रोश को व्यक्त करने का स्वाभाविक स्थान बन गया। लेकिन इसी बीच एक और प्रश्न सामने आया–क्या विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर इसके स्वरूप को बदल दिया? जवाब और जवाबदेही की मांग को लेकर युवाओं द्वारा शुरू किया गया यह जेन–कौड विरोध ा प्रदर्शन अनिवार्य रूप से तब और अधिक राजनीतिक हो गया, जब विपक्षी नेता और राजनीतिक कार्यकर्त्ता आंदोलन में शामिल हुए। उनकी उपस्थिति ने प्रदर्शनकारियों को अधिक दृश्यता और राजनीतिक प्रभाव भले ही दिया हो लेकिन इसने एक असहज प्रश्न भी खड़ा कर दिया–क्या युवा प्रदर्शनकारी स्वयं यही चाहते थे? या वे केवल यह चाहते थे कि सरकार उनकी बात सुने? यह अंतर महत्वपूर्ण है। एक बार जब राजनीतिक नेता ऐसे विरोध प्रदर्शन में शामिल हो जाते हैं, तो संदेश बदल सकता है। टैलीविजन कैमरे अब केवल छात्रों पर केंद्रित नहीं रहते। राजनीतिक भाषण हावी होने लगते हैं। नारे अधिक तीखे हो जाते हैं। सरकार रक्षात्मक मुद्रा में आ जाती है। विपक्ष को एक अवसर दिखाई देता है। मूल मुद्दा व्यापक राजनीतिक लड़ाई में दबने के जोखिम में पड़ जाता है। और यहीं पर विपक्ष को स्वयं से एक अत्यंत गंभीर प्रश्न पूछने की आवश्यकता है–क्या सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों के मामले में उसने अपनी जिम्मेदारी की भावना खो दी है? विपक्षी दलों को विरोध करने का पूरा संवैधानिक अधिकार है। लेकिन प्रदर्शनकारियों के साथ खड़ेहोने और उनके विरोध प्रदर्शन पर कब्जा करने में अंतर होता है। शांतिपूर्ण मार्च आयोजित करने और सुरक्षा बलों के साथ जानबूझकर टकराव की स्थिति पैदा करने में भी अंतर होता है। एक जिम्मेदार विपक्ष को पता होना चाहिए कि वह सीमा रेखा कहां है। यहीं पर राजनीतिक नेतृत्व महत्वपूर्ण हो जाता है। एक विपक्षी नेता का काम केवल विरोध को अधिक मुखर बनाना नहीं है। इसका काम इसे अधिक जिम्मेदार बनाना है। यदि छात्र पहले से ही भावुक, आक्रोशित और हताश हैं, तो राजनेताओं को उन्हें भड़काने की बजाय शांत करना चाहिए। यदि युवा प्रदर्शनकारी किसी प्रतिबंधित क्षेत्र की ओर बढ़ रहे हैं, तो जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व को उनसे कहना चाहिए–हमने अपनी बात रख दी है। हमें सुन लिया गया है। आइए हम सीमा न लांघें। इसके विपरीत, यदि राजनेता यह जानते हुए भी प्रदर्शनकारियों को आगे बढने के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि पुलिस को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा, तो परिणामी टकराव लगभग अपरिहार्य हो जाता है।और तब पूरे विरोध प्रदर्शन का स्वरूप ही बदल जाता है। जो आंदोलन परीक्षा सुधार के लिए शुरू हुआ था, वह सरकार और विपक्ष के बीच का टकराव बन जाता है। छात्र पृष्ठभूमि बन जाते हैं। राजनेता सुर्खियां बन जाते हैं। जेन–कौड निश्चित रूप से यह नहीं चाहता होगा। जेन–कौड एक ऐसी पीढ़ी है जो अलग तरह से संवाद करती है। यह पारंपरिक राजनीतिक ढांचों के प्रति कम ध ैर्य रखती है। यह राजनीतिक दलों को लेकर अधिक संशयवादी है। यही कारण है कि राजनीतिक दलों को सतर्क रहना चाहिए। वे सोच सकते हैं कि किसी युवा आंदोलन में शामिल होकर वे युवाओं की मदद कर रहे हैं। लेकिन युवा इसे अलग दृष्टिकोण से देख सकते हैं। वे पूछ सकते हैं–'आप हमारे मुद्दे को अपना राजनीतिक हथियार क्यों बना रहे है?' यह भारतीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि जेन–कौड संभवतरू किसी के राजनीतिक खेमे से जुडना नहीं चाहता। उसे परिणाम चाहिए। वह चाहता है कि राजनेता सवालों के जवाब दें। और शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह चाहता है कि उसे गंभीरता से लिया जाए। राजनीतिक दलों से स्वतंत्र एक शांतिपूर्ण युवा आंदोलन में अपार शक्ति होती है। जिस क्षण यह राजनेताओं द्वारा नियंत्रित दिखने लगता है, सरकार इसे विपक्ष–प्रायोजित आंदोलन बताकर खारिज कर सकती है। यह उन छात्रों के साथ घोर अन्याय होगा, जिन्होंने इसे शुरू किया था। यह एक और खतरे को भी जन्म देता है। यदि हर बड़ा विरोध प्रदर्शन विपक्षी नेताओं के शामिल होने, भड़काऊ भाषण दिए जाने और प्रदर्शनकारियों द्वारा भारी सुरक्षा वाले सरकारी भवनों की ओर बढने के साथ समाप्त होता है, तो जनता ध ीरे–धीरे टकराव की आदी हो सकती है। तब विरोध प्रदर्शन तमाशा बन जाता है। संभवतः सबसे शक्तिशाली संदेश जो युवा प्रदर्शनकारी प्रत्येक राजनीतिक दल को दे सकते हैं, वह यह हैरू 'हमारे साथ खड़े हों लेकिन हमारे ऊपर से न बोलें।' यह एक नए प्रकार की राजनीति होगी। ऐसी राजनीति, जहां युवा नागरिकों को अपनी आवाज सुनाने के लिए किसी पार्टी के झंडे की आवश्यकता न पड़े। ऐसी राजनीति, जहां विपक्ष को हर शिकायत को टकराव में बदलने की आवश्यकता न हो। ऐसी राजनीति, जहां सरकार हर विरोध प्रदर्शन को शत्रुतापूर्ण कार्रवाई न समझे और ऐसी राजनीति, जहां शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन एक लोकतांत्रिक अधिकार बना रहे, बजाय इसके कि वह यह देखने की होड़ बन जाए कि कौन सबसे बड़ा तमाशा खड़ा कर सकता है।

खाड़ी देशों ने होर्मुज में 'नए सामान्य' को स्वीकाराः नियंत्रण ईरान के पास

फारस की खाड़ी के ऊर्जा उत्पादक देश इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि होर्मुज

जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण स्थायी हो जाएगा, जिससे उनके तेल और गैस निर्यात तथा वैश्विक ऊर्जा आपूघ्त में अनिश्चितकाल के लिए बाधा उत्पन्न होगी। समस्या यह है कि उन्हें डर है कि इसका दूसरा विकल्प–युद्ध की ओर वापस जाना–और भी बदतर होगा। यह असमंजस इस बात को उजागर करता है कि कैसे युद्ध ने ईरान को और अधिक आक्रामक बना दिया है तथा दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस क्षेत्र के पास इसका मुकाबला करने का कोई बेहतर विकल्प नहीं छोड़ा है। खाड़ी में ईरान के प्रतिद्वंद्वी इस समय विचाराधीन उस समझौते को पसंद नहीं करते, जो इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खोलने के लिए आने वाले जहाजों पर ईरानी निगरानी को औपचारिक रूप देता है। लेकिन खाड़ी के अधिकारियों का मानना है कि अमरीका और ईरान के बीच आगे होने वाली सैन्य कार्रवाई, जो अरब देशों के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को खतरे में डाल देगी, की तुलना में यह समझौता बेहतर है। होर्मुज के माध्यम से ऊर्जा शिपमैंट को फिर से शुरू करने का वादा करने वाले इस समझौते पर बातचीत हाल के दिनों में रुक गई है। ईरान ने वित्तीय राहत और जलडमरूमध्य में अमरीकी व इसराईली युद्धपोतों पर प्रतिबंध की मांग की है, जबकि दूसरी ओर अमरीका ऐसे किसी समझौते पर विचार करने से इंकार कर रहा है जो तेहरान को शिपिंग में बाध ा डालने की अनुमति देता हो। संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) ने कहा कि पिछले सप्ताह जलडमरूमध्य को पार करने का प्रयास करते समय उसके 4 जहाजों को ईरानी हमलों का निशाना बनाया गया। सऊदी अरब, जिसने लाल सागर पर स्थित एक बंदरगाह तक रेगिस्तान के पार तेल पाइपलाइन से भेजकर अपनी अधिकांश निर्यात क्षमता को सुरक्षित रखा था।

लघुकथा

कुण्डली

बेटी की विदाई हुए अभी दो दिन ही बीते थे कि सुबह-सुबह फोन की घंटी बोल पड़ी। सुरभि डरी और सहमी हुई थी। फोन उठाने की हिम्मत नहीं हो रही थी, क्योंकि पिता की मृत्यु के बाद जब दो दिन की बच्ची की कुण्डली पंडितों से बनवाई गई थी, तो पंडितों ने उसे मंगली बताया था। यह ग्रहों का ही खेल था कि उसके पैदा होने के दो महीने पहले ही पिता चल बसे थे।

यद्यपि वह ग्रहों पर पूर्ण विश्वास करती थी, किन्तु इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं थी कि पिता की मृत्यु का कारण उसकी ग्रह-दशा भी हो सकती है। फिर भी वह दुनिया वालों का मुँह बंद न कर सकी। और आज बीस साल तक उसने अपनी साँवली-सलोनी बेटी का बड़े प्यार से पालन-पोषण किया, उसकी पढ़ाई-लिखाई करवाई और जब उसके हाथ पीले किए, तो अंदर ही अंदर बेटी के भविष्य को लेकर उसके मन में एक डर समाया हुआ था।

घंटी बराबर बजती जा रही थी और अंततः सुरभि के काँपते हाथों ने रिसीवर उठा ही लिया। बेटी की खिलखिलाती हुई आवाज़ सुनकर उसका मन शांत हुआ और अगले ही पल यह सुनकर उसकी आँखों से आँसुओं की धार बह चली—

"माँ, आपके आशीर्वाद से आज राहुल का प्रमोशन हो गया है।"

रचना सक्सेना
प्रयागराज

विधायक प्रशांत किशोर का सिक्सर

चुनाव से पहले राजनीतिक दल तरह–तरह के लुभावने वादे करते हैं और सरकार बनने पर उन वादों की घोषणा कर दी जाती है। बिहार में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक ऐसा वादा किया है जिसने अन्य राजनीतिक दलों को स्तब्ध कर दिया। सवाल उठने लगे कि गैर सत्ताधारी विधायक इस प्रकार का वादा कैसे निभा पाएगा? प्रशांत किशोर जन सुराज पार्टी के इकलौते विधायक बने और लगभग तीन लाख वोटरों वाले विधानसभा क्षेत्र से 10 हजार लोगों को नौकरी देने का वादा कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने बेरोजगार युवाओं से शैक्षिक प्रमाण आदि की सीवी मांग ली है। उन्होंने हर परिवार से अपील की है कि वे अपने शिक्षित बेरोजगार युवाओं का बायोडाटा उनके कार्यालय तक पहुंचाएं। प्रशांत किशोर ने कहा कि अभी तो बिहार के अंदर और बाहर दोनों जगह नौकरियां दिलाने का प्रयास किया जाएगा लेकिन जन सुराज पार्टी के सत्ता में आने पर बिहार के भीतर ही रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। इसके अलावा उन्होंने सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने और सरकारी योजनाओं को लागू कराने में जन सुराज पार्टी के सहयोग की बात कही है। स्वाभाविक रूप से बिहार की जनता को उम्मीद की नयी किरण दिखाई पड़ रही है। प्रशांत किशोर का वादा बिहार में कम से कम एक विधानसभा क्षेत्र का पलायन भी रोकने में सफल रहा तो यह क्रांतिकारी कदम माना जाएगा। बिहार की राजधानी पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से हाल ही में विधायक चुने गए जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने अपनी पहली बड़ी घोषणा रोजगार को लेकर की है। पीके ने कहा है कि वे अगले एक से दो साल के भीतर बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के कम से कम 10,000 शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में नौकरी दिलाएंगे। पीके ने परिवारों से अपने बेरोजगार बच्चों के सीवी और बायोडाटा अपने कार्यालय तक पहुंचाने की अपील की है। प्रशांत किशोर ने 11 अगस्त 2026 को बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में आभार यात्रा के दौरान यह घोषणा की। यह उनके 3 अगस्त 2026 को बांकीपुर उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के कुछ ही दिनों बाद की बात है। बांकीपुर सीट बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन के राज्यसभा सांसद चुने जाने के बाद इस्तीफा देने के कारण खाली हुई थी। प्रशांत किशोर ने इस सीट पर बीजेपी के नीरज सिन्हा को लगभग 20,000 वोटों से हराकर बीजेपी का 30 साल पुराना गढ़ तोड़ा।

प्रशांत किशोर ने साफ किया है कि वे सरकारी नौकरी का वादा नहीं कर रहे हैं। पीके ने कहा, अगर आपके बच्चे पढ़–लिखकर बेरोजगार हैं, तो उनके सीवी हमारे कार्यालय में लाएं। हम अगले दो साल में उनमें से कम से कम 10,000 के लिए नौकरी की व्यवस्था करेंगे। वे अपने देशभर में मौजूद बड़े कॉन्टैक्ट्स और पहले से मदद कर चुके लोगों के नेटवर्क का इस्तेमाल कर युवाओं को अलग–अलग राज्यों में कंपनियों और फैक्ट्रियों में नौकरी दिलाने की कोशिश करेंगे। बांकीपुर के हर परिवार से अपील की है कि वे अपने शिक्षित बेरोजगार युवाओं के सीवी और बायोडेटा उनके कार्यालय तक पहुंचाएं। उनकी टीम इन सीवी को इकट्ठा करेगी और संभावित नौकरी के अवसरों से जोड़ेगी। एक पूर्व चुनावी रणनीतिकार के रूप में उनके देशभर में कंपनियों और उद्योगपतियों से काफी संपर्क हैं। वे इन्हीं संपर्कों के जरिए युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में नौकरी दिलाने की कोशिश करेंगे। प्रशांत किशोर ने साफ कहा है कि फिलहाल युवाओं को बिहार के अंदर और बाहर दोनों जगह नौकरियों के लिए तैयार रहना होगा। पीके ने कहा कि जब जन सुराज पार्टी बिहार में सत्ता में आएगी, तब वे राज्य के भीतर ही रोजगार के अवसर पैदा करेंगे, ताकि युवाओं को पलायन न करना पड़े। प्रशांत किशोर ने सिर्फ नौकरी का ही नहीं, बल्कि चार प्रमुख प्राथमिकताएं तय की हैं। इनमें रोजगार, शिक्षा, 1,100 रुपए मासिक पेंशन और खाद्यान्न शामिल है। पीके ने कहा कि एक साल के भीतर सरकारी स्कूलों की शिक्षा की गुणवत्ता इतनी सुधार दी जाएगी कि लोग अपने बच्चों को वहां भेजना शुरू कर दें। अगर ऐसा नहीं होता है, तो बच्चों को प्राइवेट स्कूल में दाखिला दिलाने और फीस देने की जिम्मेदारी प्रशांत किशोर की होगी। पीके ने तीन महीने के भीतर राशन कार्ड में सुध ार का वादा किया है, कोई भी राशन कार्ड के लिए 1 रुपया भी

प्रश्न चिन्ह

वो जो बचे रह जाते हैं
आखिर में कहां जाते हैं?
वो जो छूट जाते हैं पीछे
क्या वो फिर मिल पाते हैं?
वो जो शक्श बिखरा पड़ा था यहाँ
क्या किसी ने समेटा होगा उसे?
वो जो अंदर बसा है तुम्हारें
क्या तुमने टटोला होगा उसे?
वो जो नदी का किनारा हैं
क्या वो मिल पाएगा कभी इस किनारे से?
वो जो दूर दिखता है क्षितिज
क्या सच में मिलते होंगें वहाँ आकाश और ज़मीन?
वो जो उड़ती पतंग है
क्या फिर कोई लूट लेगा उसे?
वो जो दूर चाँद दिखता है
क्या वो सच में गलता है पानी में?

दिक्षा मिश्रा
ईमेल एड्रेसः mishradiksha11214@gmail.com
सोशल मीडियाः diksha_likhati_hai07

`लव लॉटरी' का टीजर रिलीज, अक्षय ओबेरॉय की फिल्म में रिश्तों और पुरुष अधिकारों पर उठे सवाल

बहुप्रतीक्षित क्राइम–सस्पेंस सोशल ड्रामा 'लव लॉटरी' का टीजर रिलीज हो गया है। अक्षय ओबेरॉय और हेली दारूवाला स्टारर यह फिल्म प्यार, शादी, कानूनी विवाद, एलिमनी और पुरुष अधिकारों जैसे संवेदनशील मुद्दों को कहानी के केंद्र में रखती है। 38 सेकंड के टीजर में रिश्तों के बदलते समीकरणों के साथ ऐसे सवाल उठते हैं, जिनका जवाब फिल्म की कहानी में मिलने की उम्मीद है।'लव लॉटरी' का टीजर रिश्तों और शादी से जुड़े भावनात्मक पहलुओं के साथ शुरू होता है। जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ती है, प्यार और भरोसे की जगह कानूनी और आर्थिक विवाद लेते दिखाई देते हैं। फिल्म का नाम भी इस ओर इशारा करता है कि शादी और रिश्तों के बाद सामने आने वाली परिस्थितियां कभी–कभी जिंदगी को पूरी तरह बदल सकती हैं। टीजर में अक्षय ओबेरॉय का किरदार कई परेशानियों और सवालों के बीच घिरा नजर आता है। वहीं हेली दारूवाला समेत दूसरे कलाकारों की झलक कहानी में रहस्य को बढ़ाती है। कोर्टरूम के दृश्य, अचानक सुनाई देने वाली गोली की आवाज और कई अनसुलझे सवाल टीजर को सस्पेंस से भर देते हैं। टीजर के अंतिम हिस्से में पुरुष अधिकारों का मुद्दा भी सामने आता है। इससे कहानी को लेकर यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर कानूनी लड़ाई के पीछे की असली सच्चाई क्या है और इस पूरे मामले में सही और गलत कौन है। अक्षय ओबेरॉय के मुताबिक, फिल्म ऐसे विषयों पर बात करने की कोशिश करती है, जिन पर समाज में कई पुरुष खुलकर चर्चा नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि कुछ कानूनों के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामलों में प्रभावित लोगों की आवाज सामने आना जरूरी है। अभिनेता ने यह भी कहा कि ऐसी परिस्थितियों का असर केवल संबंधित पुरुष पर नहीं, बल्कि उसके परिवार और करीबी लोगों पर भी पड़ सकता है। निर्देशक अरविंद पांडे के अनुसार, 'लव लॉटरी' किसी एक जेंडर को दोषी ठहराने के बजाय रिश्तों, कानून और निजी विवादों के टकराव से पैदा होने वाली परिस्थितियों पर सवाल उठाती है। फिल्म में क्राइम, सस्पेंस और इमोशन के जरिए इस संवेदनशील विषय को पेश करने की कोशिश की गई है। वहीं निर्माता कुलदीप भार्गव 'तुषार' ने बताया कि कहानी को मनोरंजक अंदाज में पेश करने के साथ दर्शकों के सामने कुछ ऐसे सवाल रखने की कोशिश की गई है, जिन पर फिल्म देखने के बाद विचार किया जा सके। फिल्म में अक्षय ओबेरॉय और हेली दारूवाला मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा कबीर दुहान सिंह, विजयंत कोहली, हेमंत पांडे, इंदिरा कृष्णन, संतोष शुक्ला, विक्रम शर्मा, अग्नि अग्यारी, कुमार सौरभ, अश्वंत लोधी और अर्शदीप संधू अहम किरदारों में दिखाई देंगे।'लव लॉटरी' का निर्देशन अरविंद पांडे ने किया है और कहानी व पटकथा अंकुर खत्री ने लिखी है। फिल्म का निर्माण सिनेमा गंज फिल्म्स के बैनर तले कुलदीप भार्गव 'तुषार' ने किया है।रिश्तों की जटिलता, शादी, कानूनी विवाद, भावनात्मक टकराव और पुरुष अधिकारों से जुड़े सवालों को क्राइम–सस्पेंस के साथ पेश करने वाली 'लव लॉटरी' 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर ने कहानी को लेकर उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है, अब देखना होगा कि फिल्म इन सवालों के जवाब किस अंदाज में देती है।

> विजय से हटकर रश्मिका की मेहंदी ड्रेस की बात करें तो उनके दुपट्टे में मां लक्ष्मी का चित्र बना है। भारतीय परिवारों में नई दुल्हन को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। मां लक्ष्मी का आशीर्वाद रश्मिका को मिले, इसलिए डिजाइनर ने सुंदर चित्र उनके दुपट्टे पर बनाया है।

मंदिर जाने पर ट्रोल हुईं एक्ट्रेस फरिया अब्दुल्लाह, छलके आंसू

तेलगु एक्ट्रेस फरिया अब्दुल्लाह इन दिनों अपने एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, 10 अगस्त को वह एक हैदराबाद में आयोजित बोनालु उत्सव में शामिल हुई थीं और मीरालम मंडी स्थित ऐतिहासिक श्री महाकालेश्वर अम्मावारी मंदिर के दर्शन भी किए थे। इस दौरान एक्ट्रेस बोनम लेकर डांस करती हुई नजर आईं, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। वीडियो सामने के बाद कुछ यूजर्स ने उनकी धार्मिक पहचान को लेकर सवाल उठाते हुए उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। अब 15 अगस्त को फरिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर इन ट्रोलर्स को जवाब दिया है। इस वीडियो में अपनी बात रखते हुए एक्ट्रेस भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

इस एक्ट्रेस के पिता हिंदू थे, जिन्होंने बाद में इस्लाम अपना लिया था। एक्ट्रेस ने उन लोगों की आलोचना की जो उनके ध ार्मिक विश्वासों पर सवाल उठाकर उन्हें काफिर कह रहे थे। उन्होंने धर्म के बारे में अपनी सोच बताई और कहा कि वह अपने आस–पास की हर चीज में जीवन देखती हैं। मेरे पिता ने इस्लाम अपनाया था। क्या आप समझते हैं कि इसका क्या मतलब है ? उन्होंने इस्लाम इसलिए अपनाया क्योंकि उन्हें यह धर्म पसंद था। मेरी परवरिश कैसी रही होगी, जब कोई मुझे किसी धर्म की अच्छी बातें सिखाकर बड़ा कर रहा हो, क्योंकि उन्हें वह धर्म इतना पसंद था कि वे उसे अपनाना चाहते थे? मैंने हमेशा इस्लाम की अच्छी बातें ही देखी हैं। सच कहूं तो, मैं आपके लिए अच्छा ही चाहती हूं । फारिया ने उन लोगों को भी आड़े हाथों लिया जिन्होंने उन्हें काफिर कहा और कहा कि वह उनका बुरा नहीं चाहतीं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें प्रकृति और अपने आस–पास की दुनिया में जीवन और आध्यात्मिकता का एहसास कैसे होता है। जो भी मुझसे नफरत कर रहा है, जो भी सोचता है कि मैं गलत रास्ते पर जा रही हूं, काफिर हूं, या जो भी आप कहना चाहें, मैं आपके भले की कामना करती हूं। मैं आपके लिए अच्छा चाहती हूं। मुझे पेड़ों में जीवन दिखता है, चट्टानों में जीवन दिखता है, तितलियों में जीवन दिखता है, यह सब कुछ है और अगर यह आपको हैरान नहीं करता, अगर यह आपको भगवान से दूर करने के बजाय उन पर और ज्यादा विश्वास करने के लिए प्रेरित नहीं करता, तो मुझे अफसोस है, मेरे दोस्त, आप बहुत कुछ मिस कर रहे हैं। अगर बात यही है, अगर आप हर चीज या हर उस व्यक्ति में जादू या भगवान को नहीं देखना चाहते जिनसे आप मिलते हैं, तो आप बहुत कुछ मिस कर रहे हैं। मैं एकता के लिए प्रार्थना करती हूं, मैं शांति के लिए प्रार्थना करती हूं और मैं ऐसा करूंगी क्योंकि यही मेरा विद्रोह है, यही मेरी क्रांति है।

`मिर्जापुर द मूवी' का `वारुँ फॉरएवर' गाना रिलीज, श्रेया–रोमी की आवाज का जादू

मिर्जापुर द मूवी' को लेकर फैंस के बीच बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच फिल्म का नया गाना 'वारुँ फॉरएवर' रिलीज हो गया है। इस ट्रैक में श्रेया घोषाल और रोमी की आवाज सुनने को मिल रही है। गाना फ्रैंचाइजी के पॉपुलर ट्रैक 'वारुँ' को एक नए म्यूजिकल अंदाज में पेश करता है, लेकिन इसके मूल गाने की भावनात्मक खूबसूरती को बरकरार रखा गया है।'वारुँ फॉरएवर' में ओरिजिनल गाने की सोलफुल फील को बनाए रखते हुए नई म्यूजिकल एनर्जी जोड़ी गई है। श्रेया घोषाल और रोमी की आवाजें इस ट्रैक को एक अलग वोकल डायनामिक देती हैं। दोनों सिंगर्स की आवाजें गाने के सूफी–इंस्पायर्ड म्यूजिक के साथ अच्छी तरह मेल खाती हैं। नया वर्जन सुनने पर पुराने वारुँ की याद भी आती है और साथ ही 'मिर्जापररू द मूवी' की कहानी के हिसाब से इसमें एक नई फील भी महसूस होती है। मूल 'वारुँ' साल 2020 में रिलीज हुआ था और देखते ही देखते यह 'मिर्जापुर' फ्रैंचाइजी के सबसे पसंद किए जाने वाले गानों में शामिल हो गया। गाने की भावुक धुन, सूफी टच और लिरिक्स ने इसे फैंस के बीच खास पहचान दिलाई। वारुँ फॉरएवर में भी इसी भावनात्मक जुड़ाव को आगे बढ़ाया गया है। आनंद भास्कर बतौर कंपोजर और गिन्निया दीवान बतौर लिरिसिस्ट इस नए वर्जन के साथ लौटे हैं। इस बार गाने में श्रेया घोषाल और रोमी की जोड़ी सुनने को मिल रही है। दोनों की आवाजें ट्रैक को एक नया रंग देती हैं और पुराने गाने की पहचान को बनाए रखते हुए इसे नए दौर के श्रोताओं के लिए पेश करती हैं। यह गाना एक्सेल म्यूजिक के तहत पहला एल्बम रिलीज भी है, जिससे 'मिर्जापुर' की म्यूजिकल जर्नी को एक और विस्तार मिला है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद 'मिर्जापुर द मूवी' को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट पहले से काफी बढ़ चुकी है। अब 'वारुँ फॉरएवर' की रिलीज ने फिल्म के म्यूजिक को लेकर भी चर्चा तेज कर दी है। फिल्म को गुरमीत सिंह ने डायरेक्ट किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। कासिम जगमगिया और विशाल रामचंद्रनी इसके को–प्रोड्यूसर हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने सोनाक्षी की ट्रोलिंग पर बीजेपी आईटी सेल को घेरा, बेटी के राजनीति में आने पर कही ये बात

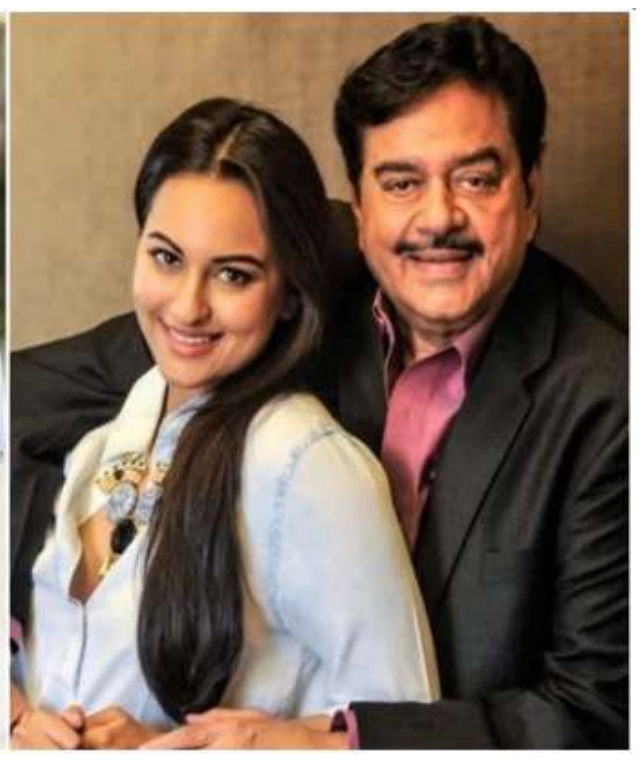

दिग्गज एक्टर और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के नेता शत्रुघ्न सिन्हा ने बेटी के खिलाफ हुई ट्रोलिंग पर बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि क्या सोनाक्षी भविष्य में राजनीति में कदम रख सकती हैं। एबीपी न्यूज से बातचीत के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा से सोनाक्षी के दिल्ली प्रदर्शन के समर्थन को लेकर सवाल पूछा गया। कुछ लोगों ने यह सवाल उठाया था कि उन्होंने दिल्ली के छात्रों के समर्थन में आवाज उठाई, लेकिन झारखंड में चल रहे छात्र प्रदर्शनों के दौरान ऐसा क्यों नहीं किया। इस पर शत्रुघ्न ने इस बात को खारिज किया और कहा कि उनकी बेटी ने कुछ दिन पहले झारखंड के छात्रों का भी खुलकर समर्थन किया था। शत्रुघ्न ने यह भी बताया कि कई बार उनकी बेटी के विचार और उनकी बातें खुद उनसे भी ज्यादा मजबूत और बेबाक होती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या सोनाक्षी भविष्य में राजनीति में आने की योजना बना रही हैं, तो उन्होंने कहा, 'मैं कुछ नहीं कह सकता। पहले मैं उससे पूछता था। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि वह एक योग्य पिता की सबसे योग्य बेटी है।' बातचीत के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने सोनाक्षी के खिलाफ होने वाली ट्रोलिंग को लेकर बीजेपी आईटी सेल पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'जो लोग उसे ट्रोल करते हैं और उसके खिलाफ हंगामा खड़ा करने की कोशिश करते हैं, उनमें से कई पेड ट्रोल हैं। हमारे जो दोस्त हैं, बीजेपी का जो आईटी सेल है, वो ऐसा कर रहा है और जो लोग उनकी नीतियों को फॉलो करते हैं, वो भी ऐसा कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह ट्रोलिंग बनाई हुई है। ये पेड ट्रोल हैं। उन्हें खुद नहीं पता कि क्या कहना है। उन्हें लिखकर दिया जाता है कि क्या कहना है। लेकिन सोनाक्षी ने सही किया है कि उसने कहा कि वह ट्रोल्स को देखती तक नहीं है। उसमें बहुत जान है।' यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले भी उनकी शादी को लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर काफी आलोचना और ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी। सोनाक्षी ने जहीर इकबाल के साथ शादी की थी। सीजेपी के नेतृत्व में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान जब एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को जंतर मंतर से जबरन हटाया गया था, तब सोनाक्षी सिन्हा ने इस घटना की निंदा की थी। उन्होंने सोनम वांगचुक और दूसरे छात्र प्रदर्शनकारियों के समर्थन में एक वीडियो भी शेयर किया था।

लखनऊ की शान है रूमी गेट और जामा मस्जिद, इन जगहों को जरूर करें एक्सप्लोर

बारिश के मौसम में मानसून का लुत्फ उठाने के लिए लोग घूमने का प्लान बना रहे हैं। अगर आप भी कम खर्च में शानदार ट्रिप प्लान करना चाहते हैं, तो बता दें कि लखनऊ एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। आप अपने परिवार व दोस्तों के साथ इस शहर में घूम सकते हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में घूमने के लिए कई सारी जगहें हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लखनऊ की कुछ घूमने वाली बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं कि लखनऊ

में आप कहां–कहां घूम सकते हैं।

रूमी दरवाजा

बताया जाता है कि लखनऊ की यात्रा रूमी गेट घूमे बिना अधूरी मानी जाती है। रूमी दरवाजे का 60 फीट लंबा प्रवेश द्वार हर किसी का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में सफल होता है। बता दें कि रूमी दरवाजा छोटे व बड़े इमामबाड़े के बीच में है। ऐतिहासिक स्थलों के बारे में दिलचस्पी रखने वालों के लिए यह एख बेहतरीन जगह है। साल 1784 में लखनऊ के नवाब आसफ–उद–दौला द्वारा इस दरवाजे का निर्माण कराया गया था।

ब्रिटिश रेजीडेंसी

बता दें कि ब्रिटिश रेजीडेंसी को रेजीडेंसी कॉम्प्लेक्स भी कहते हैं। एक समय पर यह इमारत ब्रिटिश रेजिडेंट जनरल के निवास के रूप में कार्य करता था। 18वीं शताब्दी में हुए भारतीय विद्रोह के समय करीब 3 हजार से अधिक ब्रिटिश निवासियों को इस रेजीडेंसी में आश्रय दिया गया था। हालांकि वर्तमान में यह इमारत पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत संरक्षित है। यहां पर घूमने के लिए आपको किसी तरह का शुल्क नहीं देना पड़ता है।

छत्तर मंजिल

छतर मंजिल को अम्ब्रेला पैलेस के नाम से भी जाना जाता है। एक समय पर शासकों के साथ उनकी पत्नियां छतर मंजिल में निवास करती थीं। इस इमारत में ऊपर छतरी के आकार का गुंबद है। इसी कारण इस इमारत को छतर मंजिल कहा जाता है। आप अगर बेहतरीन वास्तुकला देखना चाहते हैं, तो आपको छतर मंजिल को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जामा मस्जिद

लखनऊ में घूमने वाली जगहों की लिस्ट में जामा मस्जिद का नाम भी आता है। देश की अन्य सभी मस्जिदों की तरह यह मुस्जिद भी मुस्लिम भक्तों के लिए आध्यात्मिक केंद्र है। यह मस्जिद अपनी खूबसूरत वास्तुकला के लिए भी जानी जाती है।

नाखूनों के रंग–रूप से जानें अपनी सेहत का हाल, गंभीर बीमारियों का हो सकता है संकेत

आमतौर पर हेल्दी नाखून गुलाबी दिखते हैं और टिप्स के पास होते हैं। अगर आपके नाखूनों का रंग टेक्सचर या शेप में किसी तरह का बदलाव होता है, तो यह आपके शरीर में कई तरह की न्यूट्रिशन की कमी की ओर इशारा करता है। स्वास्थ्य और इंफेक्शन जैसी समस्या के शुरू होने पर इसका सीधा असर नाखूनों पर पड़ता है। सही डाइट और विटामिन्स की कमी होने पर नाखून सूखने व टूटने लगते हैं। आपकी उम्र, प्रेग्नेंसी, मौसम और हाथ–पैरों की केयर भी नाखूनों पर असर डालती है। बता दें कि आपके नाखूनों का रंग–रूप आपकी सेहत के बारे कई राज खोलता है।

विटामिन की कमी का संकेत

अगर आपके नाखूनों का अजीब सा शेप है, हर नाखून दूसरे नाखून से अलग है। इसके साथ ही नाखूनों का कर्विंग अपोजिट डायरेक्शन में होना शुरू हो गई है। तो आपके शरीर में क्रॉनिक आयरन डेफिसिएंसी या एनीमिया होने के संकेत दिख सकते हैं। यदि नाखून टिप्स के पास से मुड़ा हो, तो आपको सांस या फिर दिल संबंधी कोई बीमारी हो सकती है। इसके अलावा अगर नाखून जड़ से ही ऊपर की तरफ उठे हों और नाखूनों का शेप नॉर्मल से अलग हो, तो यह भी सांस की बीमारी का संकेत हो सकता है। चौकोर और चौड़े नाखून हार्मोनल समस्या की तरफ संकेत देते हैं। वहीं जरूरत से ज्यादा पलते नाखून आपके शरीर में विटामिन– ठ12 की कमी को दिखाता है।

खराब शेप के नाखून होने पर डाइट

अगर आपके शरीर में विटामिन–ठ12 की कमी या फिर आयरन की कमी है, तो आप विटामिन ठ–12 की कमी को पूरा करने के लिए डेयरी, मीट और अंडे आदि का सेवन कर सकते हैं। वहीं शरीर में आयरन की कमी होने पर अपनी डाइट में नट्स, हरी पत्तेदार सब्जियां और विटामिन–सी से भरपूर फ्रूट्स खाएं। इससे शरीर में आयरन की कमी पूरी होगी।

अगर पपड़ी की तरह निकले नाखून

आपने देखा होगा कि कई लोगों के नाखून पपड़ी की तरह टूटने लगते हैं और उनका शेप डैमेज हो जाता है। बता दें कि ऐसा केराटिन की कमी के कारण हो सकता है।अगर नाखूनों के लिए जरूरत से ज्यादा एक्सपोजर या स्ट्रीम तापमान हो रहा है। तो पानी या बहुत ज्यादा ठंडक और गर्म हवा से नाखूनों की पीलिंग शुरू हो जाएगी। ऐसा होने पर यह आपके शरीर में ओमेगा–3 फैटी एसिड की कमी को दिखाता है।

अगर बार–बार टूट रहे नाखून

अगर आपके नाखून बार–बार टूट रहे हैं, तो आपको अपनी डाइट में ओमेगा–3 फैटी एसिड्स से भरपूर फूड्स जैसे बादाम, नट्स, सूरजमुखी के बीज, अलसी के बीज और अखरोट आदि को शामिल करें। इसके अलावा बॉडी लोशन से अपने नाखूनों को मॉइश्चराइज करें।

जानिए क्यों पीले दिखते हैं नाखून

अगर आपके भी नाखून धीरे–धीरे पीले पड़ रहे हैं, तो यह कई सारी समस्याओं की तरफ संकेत करता है। नाखूनों के पीले दिखने पर आपको सांस की समस्या, डायबिटीज और लिवर संबंधी समस्या हो सकती है। नाखूनों में पीले स्पॉट होने पर सोराइसिस या फंगस का भी संकेत हो सकता है।

नाखूनों के पीले पड़ने पर क्या करें

ऐसी समस्या होने पर फौरन डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

बता दें कि नाखून हमारे शरीर में नाजुक होते हैं। इसलिए इनसे बीमारी का संकेत मिलता है।

नाखून नाजूक होने पर यह टूट जाते हैं। हालांकि कई बार मॉइश्चराइजर की कमी का संकेत देता है। थॉयराइड व शरीर में कैल्शियम व प्रोटीन इंटेक कम होने पर भी यह समस्या होती है।

नाखून पीले पड़ने पर लें ऐसी डाइट

नाखूनों के कमजोर होने पर आपको अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां, मछली, होल ग्रेन्स और मेथी आदि का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा आप बायोटिन सप्लीमेंट की भी मदद कर सकते हैं। इसके अलावा आपको अपनी डाइट में अंडे शामिल करने चाहिए। डाइट में तिल शामिल करने से भी फायदा मिलता है।

नाखूनों में दिखे सफेद दाग

अगर आपके नाखूनों में सफेद दाग यानी की व्हाइट स्पॉट आदि दिख रहे हैं, तो यह बुखार, दिल की बीमारी, किडनी की बीमारी और लिवर की समस्या से जुड़ा संकेत हो सकता है। यह निशान बुलकुल भी अच्छे नहीं माने जाते हैं। ऐसे लक्षण आपके शरीर में जिंक की कमी को दिखाते हैं। एक्जिमा या सोरायसिस जैसे इश्यू बताते हैं।

नाखूनों में सफेद डाइट होने पर लें ऐसी डाइट

इस समस्या से बचने के लिए आपको अपनी डाइट में जिंक का लेवल बढ़ाना चाहिए। इसके लिए आप अपनी डाइट में काजू, दही, किशमिश, चने, बादाम, दूध, चिकन ब्रेस्ट, सूखी बीन्स, डेयरी प्रोडक्ट्स, किडनी बीन्स, मटर, ओटमील जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं।

अगर बदलने लगे नाखूनों का रंग

कई लोगों के नाखून शुरूआत में काफी अच्छे होते हैं। लेकिन बाद में उनका रंग बदलने लगता है। ऐसे लक्षण दिखने पर आपको यीस्ट इन्फेक्शन या फिर बैक्टीरियल नेल इन्फेक्शन का संकेत मिलता है। अगर आपके नाखून अनहेल्दी हैं, तो उनका कलर बदलने लगता है। इसके अलावा अगर नाखूनों का शेड नीला है, तो यह लंग्स संबंधी समस्या का संकेत देते ही। ब्राउन नाखून दिखने पर आपको शरीर में विटामिन सी, प्रोटीन या फिर फॉलिक एसिड की समस्या हो सकती हैं।

नाखूनों का रंग बदलने पर लें ऐसी डाइट

ऐसे लक्षण दिखने पर आपको डॉक्टर की सलाह पर अपनी डाइट में बदलाव करना चाहिए। हालांकि इस तरह की समस्या होने पर आप अपनी डाइट में प्याज, सेब, खीरा, अंगूर, ब्रोकोली, मछली और लहसुन आदि को शामिल कर सकते हैं।

नाखूनों में दिखे अलग–अलग टेक्सचर

नाखूनों में लाइन्स बनने, ऊपर की ओर उठने व अलग तरीके का टेक्सचर उभरने पर यह शरीर में कई विटामिन्स की कमी को दिखाता है। यह आपकी खराब हेल्थ और किडनी संबंधी समस्याओं का संकेत होता है। अगर नाखूनों की टिप्स खराब है, नाखून ऊबड़–खाबड़ हैं, तो यह अर्थराइटिस जैसी समस्या का संकेत होता है।

फेस आइसिंग से सालों–साल जवां रहेगी त्वचा, हेल्दी और ग्लोइंग बनेगी स्किन

स्किन केयर और मेकअप ये दोनों चीजें हम सभी लगभग रोजाना करते हैं। इसके लिए बाजार में कई सारे प्रोडक्ट्स भी मिल जाते हैं। लेकिन इसके अलावा भी एक ऐसी चीज है, जिसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा को अनगिनत लाभ होते हैं। बता दें कि आइसिंग करने से हमारी स्किन को लाभ मिलता है। आपने भी सुना होगा कि प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट अपने क्लाइंट का मेकअप करने से पहले स्किन पर आइसिंग का इस्तेमाल करते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि मेकअप से पहले आइसिंग करने से आपकी त्वचा को क्या–क्या लाभ मिलते हैं।

पोर्स के लिए

चेहरे की स्किन पर आइस का इस्तेमाल करने से नाक और आस–पास की जगहों पर मौजूद पोर्स का साइज छोटा हो जाता है। आइसिंग करने से आपको पोर्स को मिनीमाइज करने के लिए एक्स्ट्रा पोर प्राइमर या किसी अन्य चीज की जरूरत नहीं पड़ती है। आप अगर मेकअप या स्किन केयर से 30 मिनट पर फेस पर आइसिंग करती हैं, तो पोर्स का साइज छोटा हो जाता है। आप चाहें तो बर्फ को सीधे तौर पर लगा सकती हैं, या फिर बर्फ को किसी कपड़े में लपेटकर भी फेस पर अप्लाई कर सकती हैं।

अंडरआई स्किन के लिए

चेहरे पर आइसिंग करने के कई लाभ होते हैं। हमारे फेस पर सबसे ज्यादा नाजुक त्वचा अंडरआई स्किन होती है। अंडरआई स्किन का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। अंडरआई स्किन के लिए आपको मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाएगी। लेकिन आंखों के नीचे मौजूद अंडरआई बैग यानी पफी आईज से राहत पाने के लिए आइसिंग का इस्तेमाल सबसे अच्छा होता है। अगर मेकअप से पहले आपकी आंखें सूज गईं हैं और आप एकदम फ्रेश दिखना चाहती हैं, तो आप अंडरआई स्किन पर भी बर्फ लगा सकती हैं।

हेल्दी स्किन के लिए

हेल्दी और जवां दिखने के लिए आपकी स्किन में कसाव होना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए आप अपने फेस पर आइसिंग कर सकती हैं। जैसा कि आपको पता होगा कि मेकअप प्रोडक्ट स्किन के लिए काफी ज्यादा हानिकारक होते हैं। ऐसे में मेकअप से पहले कुछ ऐसे टिप्स फॉलो करने चाहिए। जिससे आपकी स्किन हेल्दी और लंबे समय कर फेस एजिंग साइंस न दिखें। बता दें कि फेस पर आइसिंग करने से नेचुरली ग्लो आता है। फेस पर आइसिंग करने से मेकअप प्रोडक्ट का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा।

बरसाती बीमारियों से बचने के लिए पिएं आयुर्वेदिक चाय, गैस और कब्ज से मिलेगी निजात

स्वस्थ और सेहतमंद बने रहने के लिए डाइजेशन का सही होना बहुत ज्यादा जरूरी होता है। क्योंकि डाइजेशन सही न होने पर हमारे शरीर को कई तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। जब खाना सही से नहीं पच पाता है, तो शरीर को खाने से एनर्जी नहीं मिलती है। इससे शरीर को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। डाइजेशन सही न होने पर हमारे शरीर में फैट जमा होने लगता है और वजन बढ़ने का खतरा बना रहता है।

खासकर, मानसून में आपका डाइजेशन सिस्टम ज्यादा कमजोर हो सकता है। बारिश के मौसम में अधिकतर लोगों को अपच, गैस और ब्लोटिंग की समस्या परेशान हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए आयुर्वेदिक चाय का सेवन कर सकती हैं। आइए जानते हैं आयुर्वेदिक चाय के बारे में...

क्यों होती है पेट से जुड़ी दिक्कतें

बारिश के मौसम में पेट संबंधी समस्या होना आम बात है। हालांकि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। क्योंकि बारिश में बैक्टीरिया और वायरस ज्यादा सक्रिय रहते हैं। या फिर आप कोई गलत डाइट लेते हैं, या आपकी इम्यूनिटी कमजोर है, तो ऐसी स्थिति में आपका पाचन गड़बड़ हो सकता है। अक्सर लोग स्वाद के चक्कर में बाहर का खाना या ज्यादा तला–भुना खा लेते हैं। ऐसे में ब्लोटिंग या गैस की समस्या होती है।

आयुर्वेदिक चाय पिएं

ऐसे में अगर आप भी मानसून में डाइजेशन से जुड़ी समस्या से निजात पाना चाहते हैं तो आपको आयुर्वेदिक चाय का सेवन करना चाहिए। इस चाय के सेवन से पेट में ऐंठन, ब्लोटिंग, भारीपन और गैस की समस्या से निजात मिल सकती है।

आयुर्वेदिक चाय की सामग्री

हींग– 1/4 टीस्पून (घी में भुनी हुई)

सेंधा नमक–1/4 टीस्पून

जीरा पाउडर– 1/2 टीस्पून

पानी– 300 मि.ली. लगभग

ऐसे बनाएं

सबसे पहले पानी में सभी चीजों को मिला लें।

फिर इस पानी को 5 मिनट तक पानी में उबालें।

इसके बाद इसे छाने बिना ही पिएं।

इससे आपके डाइजेशन सिस्टम में सुधार होगा।

गैस और ब्लोटिंग की समस्या दूर होगी।

संक्षिप्त

ग्लेन मैक्सवेल के घर आई नन्ही परी, पत्नी विनी रमन ने बेटी को दिया जन्म

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के घर नन्ही परी का आगमन हुआ है। मैक्सवेल की पत्नी विनी रमन ने बेटी को जन्म दिया है। इन दोनों ने दूसरे बच्चे का स्वागत किया। बेटी का नाम माइया मैक्सवेल रखा गया है। इस जोड़े ने मंगलवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने परिवार में नन्ही परी के आने की खुशखबरी साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारी सपनों की बेटी का आगमन हो गया है, माइया मैक्सवेल। इस घोषणा के बाद दुनिया भर के साथी क्रिकेटरों, फ्रेंचाइजी और प्रशंसकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। माया मैक्सवेल से पहले उनके घर 11 सितंबर 2023 को बेटे लोगन मैवरिक मैक्सवेल का जन्म हुआ था। ग्लेन मैक्सवेल और विनी रमन की पहली मुलाकात दिसंबर 2013 में हुई थी। शुरुआती दोस्ती के बाद उनके बीच रिश्ता गहरा हुआ और उन्होंने 2017 में अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाया। इसके बाद फरवरी 2020 में इस जोड़े ने अपनी सगाई की घोषणा की और 27 मार्च 2022 को मेलबर्न में शादी के बंधन में बंध गए। मेलबर्न में उन्होंने दो अलग–अलग रीति–रिवाजों से विवाह समारोह आयोजित किए थे, जिसमें एक पारंपरिक ईसाई विवाह और दूसरा तमिल ब्राह्मण समारोह शामिल था। इस दौरान मैक्सवेल पारंपरिक सुनहरे शेरवानी में नजर आए थे।

मुनाफे के लिए रेल नीर के 4 नए संयंत्र लगाएगी आईआरसीटीसी, मौजूदा संयंत्रों की क्षमता का विस्तार भी होगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रेल यात्रियों के लिए खाने–पीने से लेकर टिकटिंग तक की व्यवस्था संभालने वाली इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) का वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में राजस्व तो 18 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है, लेकिन शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा। लाभ बढ़ाने के लिए कंपनी ने नई रणनीतियों पर काम शुरू किया है। आईआरसीटीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राहुल हिमालियन के मुताबिक, आईआरसीटीसी का बुनियादी कारोबार बेहद मजबूत है, लेकिन

कम मार्जिन वाले कैटरिंग पर बढ़ती निर्भरता और रेल नीर का आपूर्ति अंतर इसके मुनाफे की रफ्तार को रोक रहा है। मुनाफा बढ़ाने के लिए आईआरसीटीसी ने रेल नीर का उत्पादन बढ़ाने के साथ वंदे भारत स्लीपर में कैटरिंग कारोबार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। हिमालयन ने भरोसा जताया कि नई रणनीति के तहत, आने वाली तिमाहियों में कंपनी का परिचालन लाभ एक बार फिर 30 फीसदी के ऊपर जाता दिखेगा। सोमवार को बीएसई पर आईआरसीटीसी का शेयर 0.60 फीसदी यानी 3 रुपये की मजबूती के साथ 500.45 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में 330.16 करोड़ का समेकित लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 330.71 करोड़ रुपये से कम है। कंपनी का राजस्व 1,369.53 करोड़ रहा जो पिछले साल समान तिमाही के 1,159.7 करोड़ से सालाना आधार पर 18.1 फीसदी अधिक है। राहुल हिमालियन के अनुसार, पहला कारण है ग्रेच्युटी की सीमा 25 लाख रुपये होने से पोस्ट–रिटायरमेंट सेटलमेंट के लिए 20 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च पड़ा। दूसरा, प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) ट्रेनें अंतिम तिमाही में नहीं चल पाईं, जिससे 4.7 करोड़ रुपये का सीधा नुकासान हुआ। तीसरा, पश्चिम एशिया संकट से रेल नीर की बोतलों में इस्तेमाल होने वाले रेजिन की कीमतें 30 फीसदी तक बढ़ना। कमाई बढ़ाने के लिए मैसूर, भागलपुर, रांची और प्रयागराज में नए रेल नीर प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में महाराष्ट्र के अंबरनाथ प्लांट की क्षमता 2 लाख से बढ़ाकर 3 लाख बोतल और दानापुर प्लांट की क्षमता 1 लाख से बढ़ाकर 2 लाख बोतल प्रतिदिन की जाएगी।

डॉलर के मुकाबले 99 तक गिर सकता है रुपया, महंगे तेल और वैश्विक जोखिम ने बढ़ाया दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएमआई के अनुमान के मुताबिक, रुपये की कमजोरी के पीछे सबसे बड़ा कारण ऊर्जा की ऊंची कीमतें और वैश्विक अनिश्चितता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का करीब 90 फीसदी हिस्सा आयात करता है। ऐसे में कच्चा तेल महंगा होने पर भारत को ज्यादा डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव आता है। अमेरिका–ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से रुपया करीब चार फीसदी कमजोर हो चुका है। अगर अमेरिका–ईरान संघर्ष लंबा खिंचता है तो कच्चे तेल की कीमतों में और तेजी आ सकती है। इसका सीधा असर भारत के आयात बिल पर पड़ेगा। तेल खरीदने के लिए ज्यादा डॉलर की जरूरत होगी। इससे घरेलू बाजार में डॉलर की मांग बढ़ सकती है और रुपये की कीमत घट सकती है। बीएमआई का मानना है कि ब्रेंट क्रूड में तेजी जारी रहने पर भारतीय मुद्रा पर दबाव और बढ़ सकता है। मौसम से जुड़ा जोखिम भी रुपये के लिए चिंता बढ़ा सकता है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, सुपर अल–नीनो की संभावना करीब दो–तिहाई है। इससे कृषि निर्यात प्रभावित हो सकता है और खाद्य आयात की जरूरत बढ़ सकती है। हालांकि, भारत के पास पर्याप्त खाद्यान्न भंडार है। दूसरी ओर, रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर अमेरिका की ओर से 100 फीसदी तक टैरिफ लगाए जाने का खतरा भी बताया गया है। इससे भारतीय निर्यात और निवेशकों के भरोसे पर असर पड़ सकता है। बीएमआई के अनुसार, विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए सरकार की ओर से हाल में उठाए गए कदम रुपये की गिरावट को कुछ हद तक सीमित कर सकते हैं।

पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने सुथार को सराहा

चोपड़ा ने जडेजा से की तुलना, किसने कहा- बिना तराशा हीरा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के उभरते हुए खिलाड़ी मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया। मानव के इस प्रदर्शन को देखकर पूर्व भारतीय खिलाड़ी उनके कायल हो गए हैं। अजय जडेजा और आकाश चोपड़ा ने इस लेफ्ट ऑर्म स्पिनर के तारीफों के पूल बांधे हैं। अजय जडेजा का कहना है कि भारत को एक नया सितारा मिल रहा है, जबकि आकाश ने सुथार को रवींद्र जडेजा का अपग्रेडेड वर्जन बताया है।

मानव सुथार ने सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में चार विकेट लेकर एक बार फिर अपनी असाधारण प्रतिभा की झलक दिखाई, लेकिन बाएं हाथ के इस स्पिनर की सफलता की नींव टेस्ट सीरीज से पहले बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में किए गए खास अभ्यास सत्र के दौरान ही रखी गई थी। सुथार ने 76 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन दिन के दूसरे सत्र में उनकी कड़ी परीक्षा हुई। इस सत्र में विकेट नहीं मिले लेकिन इस गेंदबाज ने अपनी रणनीति नहीं बदली। सुथार के मुताबिक ऐसी स्थिति में गेंदबाजों के लिए धैर्य बनाए रखना सबसे जरूरी था।

सुथार के इस प्रदर्शन का प्रभाव भारत के दो पूर्व खिलाड़ियों पर पड़ा है। मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा भी खुद को उनकी तारीफ करने से नहीं रोक सके। आकाश से पूछा गया कि क्या सुथार अब एशियाई परिस्थितियों में भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं? उन्होंने अपने यू–ट्यूब चौनल पर बात करते हुए कहा, मैं हां कहूंगा क्योंकि वह बहुत जबरदस्त खिलाड़ी है। जब सुथार गेंद छोड़ते हैं, तो वह हवा में घूमती है, टप्पा खाकर उछलती है और टर्न भी होती है। वह आपको डिफेंस करते हुए भी आउट कर देते हैं। जब आप सामने वाले बल्लेबाज को डिफेंस करते हुए भी धूल चटा दें और वह भी बार–बार, तो इससे पता चलता है कि इस खिलाड़ी में कितना दम है।

आकाश ने कहा, इसके साथ ही सुथार बल्लेबाजी भी करते हैं, जिसका मतलब है कि आप विदेशी परिस्थितियों में भी उन्हें टीम में शामिल करने के बारे में सोच सकते हैं। मैं उन्हें रवींद्र जडेजा के उत्तराधिकारी के तौर पर देख रहा हूं क्योंकि जडेजा कभी न कभी टीम से हटेंगे और तब आपको उनके जैसे ही किसी खिलाड़ी की जरूरत होगी। अगर मैं उन्हें सिर्फ एक गेंदबाज के तौर पर देखूं, तो मुझे लगता है कि सुथार जडेजा का अपग्रेडेड वर्जन हैं।

टेस्ट क्रिकेट में मानव सुथार की शानदार शुरुआत की भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा ने काफी तारीफ की है। उन्होंने युवा बाएं हाथ के स्पिनर की तुलना एक बिना तराशे हीरे से की, जबकि रवींद्र जडेजा को भारत के स्पिन अटैक का कोहिनूर बताया। अजय जडेजा ने कहा, ये भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अच्छे संकेत हैं। हमने अभी–अभी रवींद्र जडेजा की बहुत प्रशंसा की है। वह भी बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं, लेकिन वह बिल्कुल अलग तरह के गेंदबाज हैं। जडेजा अपने करियर के शिखर पर हैं। यह तो सुथार के करियर की शुरुआत है और हम उन्हें अभी से ही बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देख रहे हैं। भारत के पूर्व खिलाड़ी ने बताया कि दुनिया के सबसे अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनरों में से एक जडेजा के साथ खेलने से सुथार को कितना फायदा हुआ है।

पंत ने टेस्ट में रचा इतिहास, सबसे तेज 100 छक्के जड़े, गेंद हो या पारी, सब में गिलक्रिस्ट को पछाड़

गॉल, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जब भारत दबाव में था, तब ऋषभ पंत ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। पंत ने 69 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाए और इसी दौरान टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।

पंत ने यह मुकाम अपनी 89वीं टेस्ट पारी में हासिल किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंत से पहले सिर्फ तीन बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 100 या उससे ज्यादा छक्के लगा पाए थे। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स 138 छक्कों के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं, जबकि न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम 107 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गिलक्रिस्ट के नाम भी 100 छक्के हैं।

पंत की इस उपलब्धि की खास बात सिर्फ 100 छक्के पूरे करना नहीं है, बल्कि जिस तेजी से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, वह इसे और खास बनाता है। पंत ने केवल 89 टेस्ट पारियों में 100 छक्के पूरे किए। इस मामले में गिलक्रिस्ट को 130 पारियां लगी थीं, जबकि बेन स्टोक्स ने 151 और ब्रेंडन मैकुलम ने 170 पारियों में 100 छक्के पूरे किए थे। यानी पंत ने गिलक्रिस्ट से 41 पारियां कम खेलकर यह उपलब्धि हासिल की।

पंत ने सिर्फ पारियों के मामले में ही नहीं, बल्कि गेंदों के मामले में भी यह रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 100 छक्के लगाने के लिए 4,918 गेंदों का सामना किया। गिलक्रिस्ट को इसके लिए 6,578, स्टोक्स को 9,042 और मैकुलम को 9,756 गेंदें खेलनी पड़ी थीं।

इस मुकाबले में पंत की बल्लेबाजी को लेकर पहले से चर्चा थी। उनकी आक्रामक शैली अक्सर क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच बहस का विषय रहती है। पहली पारी में उन्होंने 62 गेंदों पर 39 रन बनाए थे, जो उनके सामान्य आक्रामक अंदाज की तुलना में काफी संयमित पारी थी। लेकिन दूसरी पारी में भारतीय टीम को तेजी से रन जोड़ने की जरूरत थी।

गॉल में पंत की पंतास्टिक बल्लेबाजी

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

बल्लेबाज	छक्के
बेन स्टोक्स	138
ब्रेंडन मैकुलम	107
ऋषभ पंत	100*
गिलक्रिस्ट	100
टिम साउदी	98

सबसे तेज 100 टेस्ट छक्के

बल्लेबाज	छक्के
बेन स्टोक्स	138
ब्रेंडन मैकुलम	107
ऋषभ पंत	100*
गिलक्रिस्ट	100
टिम साउदी	98

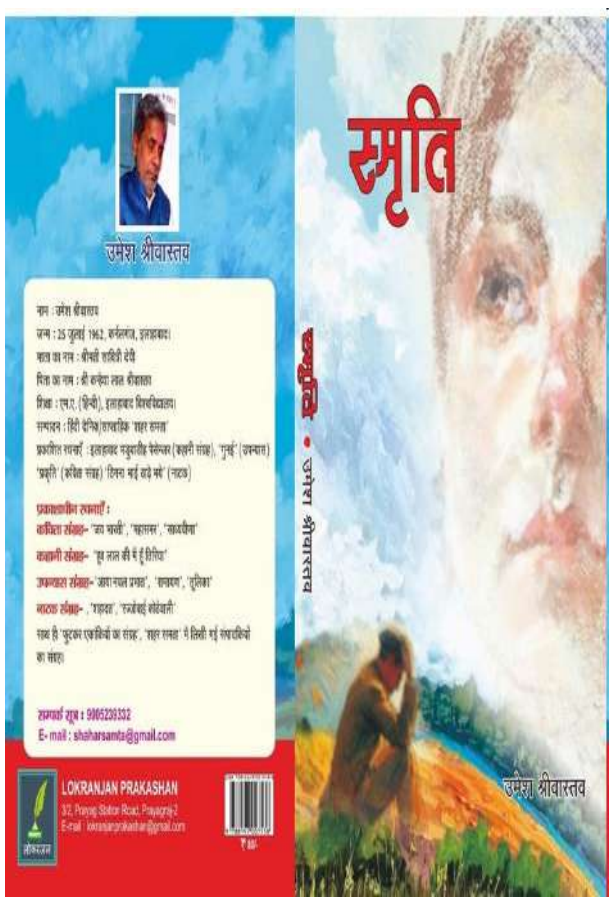

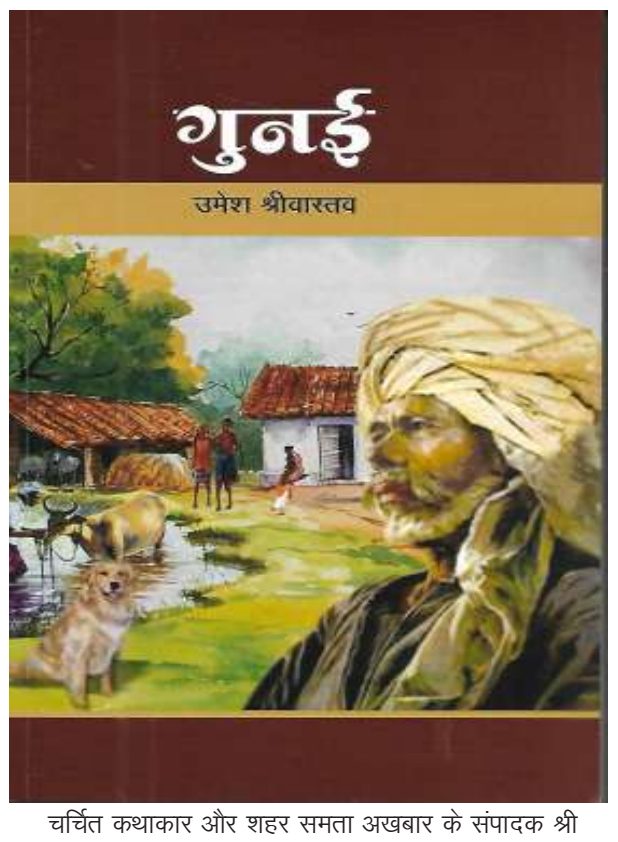

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

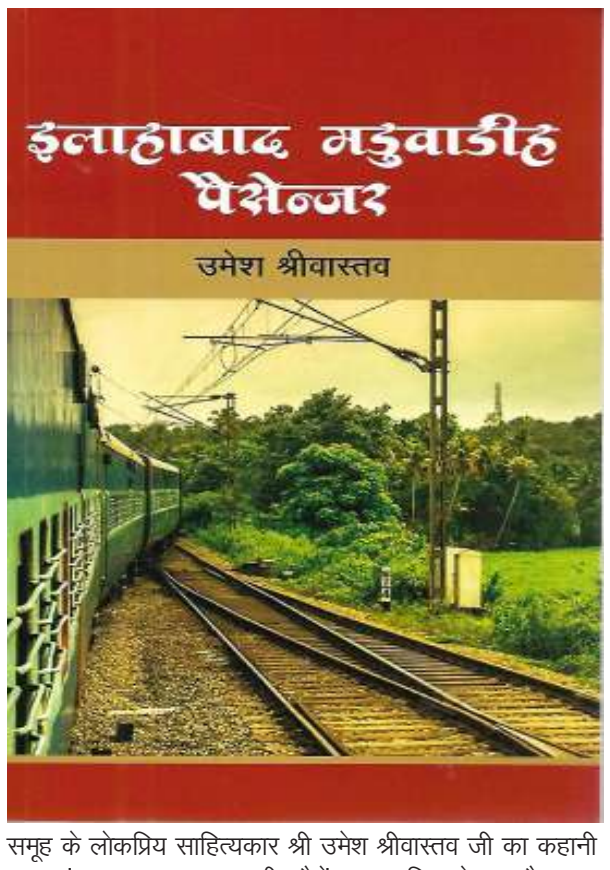

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

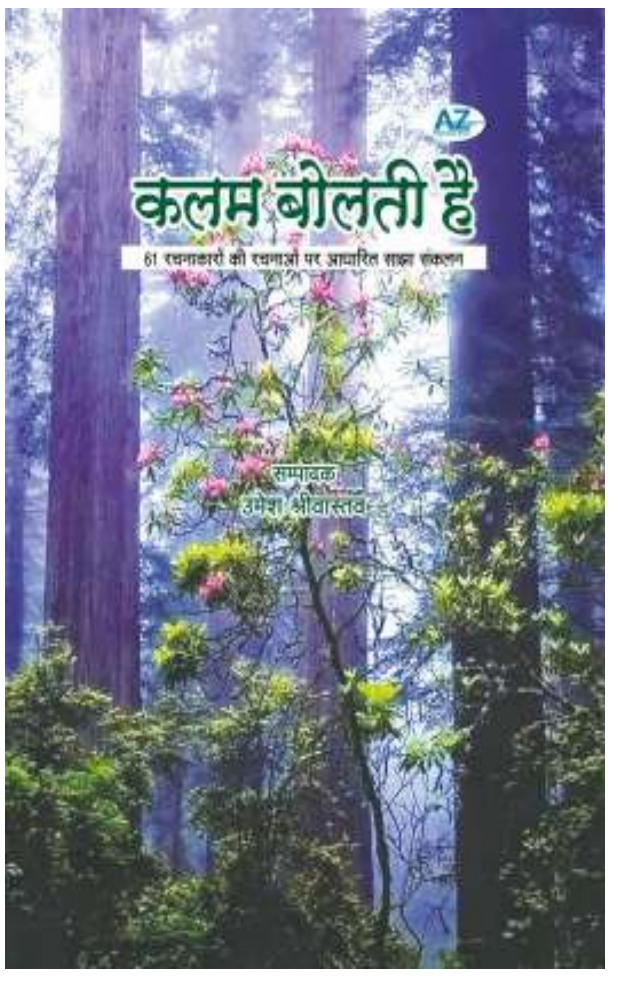

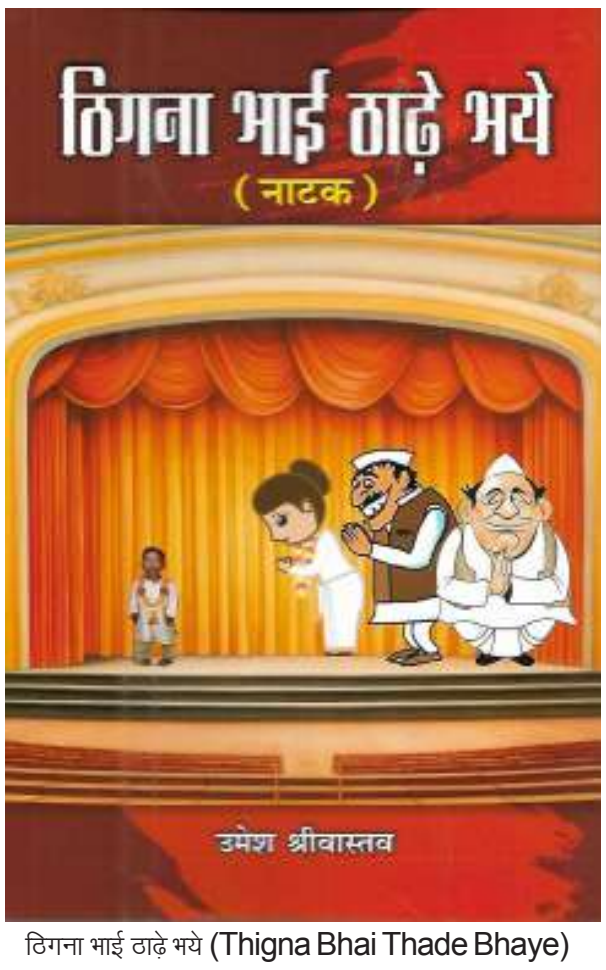

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका में वोटर ID अनिवार्य करने की मांग क्यों हुई तेज?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए अमेरिका में हर

मतदाता के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की अपनी मांग फिर दोहराई है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनके प्रशासन से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। ट्रंप ने भारत की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को भी चुनाव में पहचान और नागरिकता से जुड़े नियम कड़े करने चाहिए। भारत के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया? ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भारत के हालिया आम चुनाव में करीब 64. 6 करोड़ लोगों ने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने डाक मतपत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था। ट्रंप ने भारत के चुनावी मॉडल को अमेरिका में अनिवार्य फोटो पहचान की जरूरत के समर्थन में उदाहरण के तौर पर पेश किया। उनका कहना है कि इससे चुनाव में धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है। ट्रंप जिस सेव अमेरिका एक्ट के समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं, उसका पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजीबिलिटी एक्ट है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिका में मतदान के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। इसके अलावा देशभर में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। कानून डाक से मतदान की सुविधा पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में है। ट्रंप इसे चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी कदम बताते हैं। सेव अमेरिका एक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक सहमति नहीं बन पाई है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद हैं। ट्रंप लगातार कानून पारित कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सीनेट में इसे आगे बढ़ाने को लेकर अब तक ठोस कदम नहीं उठे हैं। अगस्त की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट पांच सप्ताह के अवकाश पर चली गई थी और कानून को लेकर कोई अंतिम प्रगति नहीं हुई। ऐसे में ट्रंप का भारत का उदाहरण देना उनकी राजनीतिक मुहिम को आगे बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप का तर्क है कि मतदाता की पहचान और नागरिकता की पुष्टि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका में भी ऐसे नियम लागू करने की मांग की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को चुनावी ध ोखाधड़ी रोकने के लिए सेव अमेरिका एक्ट पारित करना चाहिए। हालांकि, कानून को लेकर राजनीतिक मतभेद अभी कायम हैं। भारत का उदाहरण देकर ट्रंप ने एक बार फिर अमेरिकी चुनाव व्यवस्था में पहचान पत्र और नागरिकता के सवाल को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। ट्रंप के बयान के समर्थन में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप बिल्कुल सही हैं। गोर ने दावा किया कि भारत के पिछले चुनाव में 64.6 करोड़ मतदाता थे और हर मतदाता के लिए पहचान पत्र जरूरी था। उन्होंने इसी उदाहरण का हवाला देते हुए अमेरिकी कांग्रेस से सेव अमेरिका एक्ट पारित करने की अपील की।

नेपाल में सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान बनाने की मांग, पूर्व पीएम देउबा के बयान से क्यों गरमाई सियासत?

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने देश की राष्ट्रीय पहचान को सनातन धर्म से जोड़ने

की बात कही है। उनके नेतृत्व वाले नेपाली कांग्रेस गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इस दिशा में आगे बढ़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को राजनीतिक ताकत मिलने की चर्चा शुरू हो गई है। देउबा ने सम्मेलन के समापन समारोह में खुद को हिंदू बताते हुए अपनी राजनीतिक सोच भी साफ की। प्रस्ताव में किन धार्मिक परंपराओं को जगह दी गई? पारित प्रस्ताव केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। इसमें सनातन धर्म के साथ हिंदू, बौद्ध और किरात परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया गया है। साथ ही सभी धर्मों और समुदायों की धार्मिक आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की बात कही गई है। यानी प्रस्ताव में नेपाल की पारंपरिक ध ार्मिक पहचान को मजबूत करने के साथ दूसरे समुदायों के अधिकारों की बात भी शामिल है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

मनीला, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में मंगलवार को दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव–स्ट्रीमिंग के लिए बॉडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। मेयर ने क्या बताया? ओलासो ने श्ठठ रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर

ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली। छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कॉलेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं। पुलिस ने क्या कहा? गोलीबारी के कुछ घंटों बाद पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने छात्रों के माता–पिता और अभिभावकों से शांत रहने और बच्चों को ले जाने के लिए हाई स्कूल की सलाह और व्यवस्थाओं का पालन करने को कहा। पुलिस ने जनता से क्या अपील की? नेशनल पुलिस चीफ जनरल जोस मेलेंसियो नार्टाटेज जूनियर ने कहा, श्अधिकारी अभी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं।श पुलिस सही समय पर पक्की जानकारी देगी और जनता से अपील करती है कि वे ऐसी बिना पुष्टि वाली खबरें, तस्वीरें या वीडियो शेयर न करें जिनसे बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। नार्टाटेज ने कहा, श्नेशनल पुलिस जनता को भरोसा दिलाती है कि स्कूल समुदाय की सुरक्षा और भलाई हमारी प्राथमिकता है। हम स्कूल प्रशासन, माता–पिता, अभिभावकों और समुदाय का उनके धैर्य, सहयोग और समझदारी के लिए धन्यवाद करते हैं, क्योंकि अधिकारी स्थिति को संभालने का काम कर रहे हैं। पहले भी हुए हैं ऐसे घटना? यह गोलीबारी तब हुई जब पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि देश भर के स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इससे पहले जून में मध्य टैकलोबन शहर में हुई गोलीबारी में तीन हाई स्कूल छात्र मारे गए थे और कम से कम 20 अन्य घायल हुए थे। पुलिस ने उस गोलीबारी को अंजाम देने के आरोप में 14 और 15 साल के दो छात्रों को गिरफ्तार किया था। फिलीपींस में बंदूक के इस्तेमाल से जुड़े अपराध आम हैं, जिसका एक कारण बिना लाइसेंस वाली बंदूकों का बड़ी संख्या में होना है, लेकिन स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती हैं। थाईलैंड में क्या हुआ था? फिलीपींस में यह गोलीबारी थाईलैंड में स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना के दो हफ्ते से भी कम समय के भीतर हुई। बैंकॉक के पास नोंथाबुरी प्रांत में 14 साल के एक लड़के द्वारा अपने दादा–दादी, स्कूल के पांच कर्मचारियों और 12 साल की एक लड़की की हत्या किए जाने के बाद, थाईलैंड के प्रध ानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने देश में बंदूकों पर रोक लगाने के लिए कदम उठाए। एशिया में बंदूक रखने के मामले में थाईलैंड का स्थान पाकिस्तान के बाद दूसरा है और यह अपने दक्षिण–पूर्वी एशियाई पड़ोसियों से कहीं आगे है।

दक्षिण कोरिया को छोड़ उत्तर कोरिया के करीब क्यों जा रहे ट्रंप? अमेरिका के सहयोगियों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों को कम करने का फैसला किया है। इससे केवल लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे दक्षिण कोरिया को ठेस नहीं पहुंची है, बल्कि एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के सुरक्षा हितों को लेकर भी बड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं। ट्रंप ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने अलग–थलग रहने वाले उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी जिक्र किया। ट्रंप अक्सर विदेश नीति में फायदे–नुकसान और व्यक्तिगत रिश्तों को ज्यादा अहमियत देते रहे हैं। यही उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की एक खास पहचान रही है। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल में यूरोपीय मामलों के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैन फ्राइड ने कहा, मुझे इसमें अमेरिका का कोई हित नजर नहीं आता। किसी भी स्तर पर यह समझ में नहीं आता। इससे दक्षिण कोरिया कमजोर होता है, जापान कमजोर होता है, ताइवान डरता है, नाटो चिंतित होता है और चीन को हौसला मिलता है। इतना ही नहीं, उत्तर कोरिया का भी हौसला बढ़ता है। ओबामा प्रशासन में पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैनी रसेल ने कहा कि उत्तर कोरिया के पक्ष में ट्रंप का फैसला ऐसी श्रेणी में आता है, जिसमें यह समझना मुश्किल है कि इससे स्थिति और खराब कैसे हो सकती है। उत्तर कोरिया हर साल होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, यह दुखद

रूप से पूरी तरह उलटा है। ट्रंप एक सहयोगी को सजा दे रहे हैं और एक विरोधी को बढ़ावा दे रहे हैं। न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट से जुड़े रसेल ने कहा, ट्रंप अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा की कीमत पर किम जोंग उन को नाराज होने से बचा रहे हैं। दक्षिण कोरिया को इससे क्या संदेश जाता है? रविवार को ट्रंप ने अमेरिकी सेना को 11 दिन चलने वाले श्उलची फ्रीडम शील्डश सैन्य अभ्यास का आकार छोटा करने का आदेश दिया। यह सैन्य अभ्यास सोमवार को तय समय पर शुरू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं था कि अभ्यास के किन–किन हिस्सों को कम किया जाएगा। ट्रंप के इस एलान से दक्षिण कोरिया में बहुत से लोग आश्चर्यचकित रह गए। दक्षिण कोरिया दशकों से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि उसके सामने परमाणु हथियार रखने वाले उत्तर कोरिया का खतरा मौजूद है। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी तुरंत ट्रंप की आलोचना की। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद और विदेश मामलों की समिति में सबसे बड़े डेमोक्रेट नेता ग्रेग मीक्स ने एक बयान में कहा, अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के साथ विरोधी जैसा व्यवहार करने से हमारे गठबंधन कमजोर होते हैं और चीन तथा उत्तर कोरिया को फायदा मिलता है। सोमवार को ट्रंप ने अपने फैसले का फिर समर्थन किया। उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर के साथ लिखा था– हे डोनाल्ड... हम दोनों के बीच सब ठीक है, है ना? रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही दलों के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान काम कर चुके सेवानिवृत्त अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को रोकने के लिए बेहद अहम हैं। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से दूरी बना रखी है और उसने हथियारों का परीक्षण भी तेज कर दिया है। वुड ने कहा, हम यह भी नहीं चाहते कि दक्षिण कोरिया यह निष्कर्ष निकाले कि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसके पास परमाणु हथियार हासिल करना ही एकमात्र गारंटी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों तरह के प्रशासन में रक्षा और खुफिया विभाग से जुड़े पदों पर रह चुके मैथ्यू क्रोनिग ने कहा कि सर्वे बताते हैं कि दक्षिण कोरियाई लोगों में अपने परमाणु हथियार विकसित करने के विचार का समर्थन लगातार बढ़ा है। क्रोनिग ने कहा, अमेरिका दक्षिण कोरिया को यह भरोसा दिलाने के लिए बहुत मेहनत करता रहा है कि वह सुरक्षित है। अब वाशिंगटन के थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल से जुड़े क्रोनिग ने कहा कि सैन्य अभ्यासों का आकार कम करने से संभवतरू इस भरोसे को नुकसान पहुंचता है। ट्रंप ने यह फैसला तब लिया, जब दक्षिण कोरिया उन्हें खुश करने और उनका समर्थन पाने की कोशिश कर रहा था। दक्षिण कोरिया व्यापार और रक्षा जैसे अहम मुद्दों पर अमेरिका का साथ चाहता था। पिछले साल नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग जब ट्रंप से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने सबसे पहले वहां की शानदार सजावट की तारीफ की। ओवल ऑफिस को सुनहरे रंग की सजावट से सजाया गया था। ली ने ट्रंप की इस बात का भी समर्थन किया कि अगर वह 2020 में लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बन जाते, तो किम जोंग उन परमाणु हथियार बनाने की अपनी योजना को आगे नहीं बढ़ाते। ली ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में उत्तर कोरिया में ट्रंप टावर बनाया जा सकता है। इससे कुछ घंटे पहले ही ट्रंप ने ली के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति यून सुक योल के प्रति सहानुभूति दिखाई थी। यून को दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लगाने के बाद पद से हटा दिया गया था। विदेश मामलों की परिषद के वरिष्ठ सदस्य चार्ल्स कपचन ने कहा कि सैन्य अभ्यासों को कम करने से लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे देशों को अमेरिका की मदद के बिना अपनी सुरक्षा के बारे में ज्यादा सोचने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। डेमोक्रेट राष्ट्रपतियों बिल क्लिंटन और बराक ओबामा के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में काम कर चुके कपचन ने कहा, वे उम्मीद कर रहे हैं कि भविष्य में भी अमेरिकी सुरक्षा छतरी उनके लिए मौजूद रहेगी। लेकिन उन्हें कम से कम इस संभावना के बारे में सोचना होगा कि अंकल सैम उनके लिए मौजूद नहीं होंगे।

बच्चों को अकेले खेलने की आजादी पर अमेरिका में बदली सोच, देश के 13 राज्यों ने क्यों दी कानून में ढील?

वॉशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से बनाए गए सख्त नियमों पर अब बहस तेज हो रही है। कई जगह अभिभावकों को बच्चों को अकेले पार्क भेजने, आसपास खेलने देने या छोटी दूरी पर अकेले जाने देने पर कार्रवाई का डर रहता था। अब इस सोच में बदलाव दिखाई दे रहा है। 13 अमेरिकी राज्यों ने बाल–उपेक्षा से जुड़े नियमों में ढील दी है, ताकि बच्चों को उम्र के हिसाब से कुछ स्वतंत्रता देने पर माता–पिता को कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। छह साल के बच्चे के पार्क जाने पर क्यों मचा विवाद? अटलांटा में एक छह साल के बच्चे के अकेले पार्क में खेलने का मामला इस बहस का उदाहरण बना। बच्चे को पार्क में अकेले देखकर एक महिला ने बाल कल्याण विभाग में उसके माता–पिता के खिलाफ शिकायत कर दी। इसके बाद मैलरी शर्ली और उनके पति क्रिस्टोफर प्लेसेंट्स से पूछताछ हुई। लंबी कानूनी प्रक्रिया और अपील के बाद दंपती को आरोपों से बरी कर दिया गया। इस मामले ने सवाल खड़ा किया कि बच्चों की सुरक्षा और उन्हें स्वतंत्रता देने के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। 13 राज्यों ने नियमों में ढील क्यों दी? अमेरिका में फ्री–रेंज किड्स आंदोलन को मिल रहे समर्थन के बीच 13 राज्यों ने अपने बाल–उपेक्षा कानूनों में बदलाव किया है। इसका मकसद यह स्पष्ट करना है कि बच्चों को उनकी उम्र और समझ के मुताबिक अकेले बाहर खेलने या आसपास जाने की अनुमति देना अपने आप में उपेक्षा नहीं माना जाए। समर्थकों का तर्क है कि बच्चों को हर समय निगरानी में रखने के बजाय सीमित स्वतंत्रता देना उनके आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकता है। आज के बच्चे पिछली पीढ़ी से कब बाहर निकलते हैं? बच्चों की स्वतंत्रता को लेकर सोच में बदलाव के बीच आंकड़े भी दिलचस्प तस्वीर दिखाते हैं। द ब्रिटिश चिल्ड्रन प्ले सर्वे के अनुसार, पिछली पीढ़ी के बच्चों को औसतन 8.9 वर्ष की उम्र में अकेले बाहर खेलने की अनुमति मिल जाती थी। आज यह उम्र बढ़कर औसतन 10.7 वर्ष हो गई है। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बाहर जाने की अनुमति अब करीब दो साल देर से मिल रही है। वहीं करीब 34 फीसदी बच्चे स्कूल के बाद बाहर खेलने नहीं जाते हैं। बच्चों के लिए बाहर खेलना क्यों जरूरी माना जा रहा है? बच्चों के लिए खेलना केवल मनोरंजन नहीं है। इससे उनका शारीरिक विकास होता है और वे दूसरे बच्चों के साथ बातचीत करना, छोटे फैसले लेना और परिस्थितियों को समझना सीखते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पांच से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को रोज करीब 60 मिनट खेलना–कूदना चाहिए। इसके बावजूद करीब 20 फीसदी बच्चे सप्ताहांत में भी बाहर नहीं खेलते। इसी वजह से बच्चों की सुरक्षा के साथ उनकी स्वतंत्रता पर भी ध यान देने की मांग बढ़ रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

लहरों में फंसे भारतीय मूल के बच्चे को बचाने वाले 16 साल के किशोर से मिले ट्रंप

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 25 जुलाई को 10 वर्षीय भारतीय मूल का बच्चा नाथनियल राय समुद्र की तेज लहरों में फंस गया था। वह सांता क्रूज के सीब्राइट बीच पर पानी में था। इसी दौरान उसने अपना संतुलन खो दिया और लहरों की चपेट में आ गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद 16 वर्षीय लाइफगार्ड राइडर विलियम्स ने बच्चे को मुश्किल में देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ा। राइडर विलियम्स ने कैसे बचाई जान? विलियम्स ने बताया कि उसने बच्चे को लाइफगार्ड टावर से करीब 20 गज दूर टखने तक पानी में अपना संतुलन खोते देखा था।

एफबीआई मुख्यालय अब कहां बनेगा?: ट्रंप प्रशासन को कोर्ट ने दिया बड़ा झटका, हेडक्वार्टर की शिफ्टिंग पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक जज ने सोमवार को एफबीआई के मुख्यालय को वॉशिंगटन की एक फेडरल ऑफिस बिल्डिंग में ले जाने की योजना पर रोक लगा दी। जज ने पाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मैरीलैंड में पास की गई एक नई बिल्डिंग बनाने की योजना को गैर–कानूनी तरीके से रद्द

कर दिया था। यह फैसला देश की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का मुख्य कार्यालय कहां बनाया जाए, इस पर बरसों से चल रही लड़ाई में एक नया घटनाक्रम है। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक जगह चुनी गई थी, लेकिन ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने पिछले साल उस फैसले को पलटने की कोशिश की। ट्रंप प्रशासन क्या चाहता था? वे चाहते थे कि एफबीआई के मौजूदा मुख्यालय से कुछ ब्लॉक दूर स्थित फेडरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स, श्रोनाल्ड रीगन बिल्डिंगश का इस्तेमाल इस काम के लिए किया जाए। जिला जज चुआंग ने क्या फैसला सुनाया? राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से नियुक्त अमेरिकी जिला जज थियोडोर डी. चुआंग ने फैसला सुनाया कि यह कदम कानून के मुताबिक नहीं था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने के लिए उसकी मरम्मत करने या फंड का दोबारा इस्तेमाल करने से रोक दिया। मुकदमा किसने दायर किया था? न्याय विभाग और एफबीआई के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह मुकदमा मैरीलैंड राज्य और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने दायर किया था। मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल ने क्या कहा? मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल एंथनी ब्राउन (जो डेमोक्रेट हैं) ने एक बयान में कहा, श्मैरीलैंड और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने एफबीआई मुख्यालय हासिल करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। इसके साथ ही करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने और इस प्रोजेक्ट के लिए कांग्रेस द्वारा अलग रखे गए फंड को दूसरी जगह लगाने की ट्रंप प्रशासन की गैर–कानूनी कोशिश को रोककर, कोर्ट ने ग्रीनबेल्ट लौटने का रास्ता साफ कर दिया है। एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय, पेन्सिलवेनिया एवेन्यू पर स्थित जे. एडगर हूवर बिल्डिंग में 1975 में खोला गया था।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।